



Series : GFHE5

SET ~ 3

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code

31/5/3



रोल नं.

| | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|

Roll No.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

नोट

NOTE

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 31 हैं।

(I) Please check that this question paper contains 31 printed pages.

(II) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 39 प्रश्न हैं।

(II) Please check that this question paper contains 39 questions.

(III) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.

(IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

(IV) Please write down the serial number of the question in the answer-book at the given place before attempting it.

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

~

(V) 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.



विज्ञान
SCIENCE



निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

आधिकतम अंक : 80

Maximum Marks : 80

31/5/3

550-3

1

[P.T.O.]



सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से पालन कीजिए :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **39** प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (ii) यह प्रश्न-पत्र पाँच खण्डों में विभाजित किया गया है – क, ख, ग, घ एवं ङ।
- (iii) **खण्ड क** – प्रश्न संख्या **1** से **20** तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है।
- (iv) **खण्ड ख** – प्रश्न संख्या **21** से **26** तक अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है। इन प्रश्नों के उत्तर **30** से **50** शब्दों में दिए जाने चाहिए।
- (v) **खण्ड ग** – प्रश्न संख्या **27** से **33** तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **3** अंकों का है। इन प्रश्नों के उत्तर **50** से **80** शब्दों में दिए जाने चाहिए।
- (vi) **खण्ड घ** – प्रश्न संख्या **34** से **36** तक दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न **5** अंकों का है। इन प्रश्नों के उत्तर **80** से **120** शब्दों में दिए जाने चाहिए।
- (vii) **खण्ड ङ** – प्रश्न संख्या **37** से **39** तक 3 स्रोत-आधारित/प्रकरण-आधारित इकाइयों के मूल्यांकन के **4** अंकों के प्रश्न (उप-प्रश्नों सहित) हैं।
- (viii) प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। इस प्रकार के प्रश्नों में केवल एक ही विकल्प का उत्तर दीजिए।

31/5/3

2

~



General Instructions :

Read the following instructions very carefully and strictly follow them :

- (i) This question paper comprises **39** questions. All questions are compulsory.
- (ii) This Question paper is divided into **five sections – A, B, C, D and E**.
- (iii) **Section A** – Question Nos. **1 to 20** are Multiple Choice Questions. Each question carries **1 mark**.
- (iv) **Section B** – Question Nos. **21 to 26** are Very Short Answer type questions. Each question carries **2 marks**. Answer to these questions should be in the range of **30 to 50 words**.
- (v) **Section C** – Question Nos. **27 to 33** are Short Answer type questions. Each question carries **3 marks**. Answer to these questions should be in the range of **50 to 80 words**.
- (vi) **Section D** – Question Nos. **34 to 36** are Long Answer type questions. Each question carries **5 marks**. Answer to these questions should be in the range of **80 to 120 words**.
- (vii) **Section E** – Question Nos. **37 to 39** are of 3 source-based/case-based units of assessment carrying **4 marks each** with sub-parts.
- (viii) There is no overall choice. However, an internal choice has been provided in some sections. Only one of the alternatives has to be attempted in such questions.

31/5/3

3

CLICK HERE

[P.T.O.]



www.studentbro.in



इस खण्ड में प्रश्न संख्या 1 से 20 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

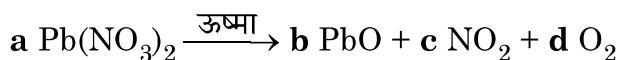
1. कॉपर के विद्युत-अपघटनी परिष्करण के समय उपयोग किए जाने वाले एनोड, कैथोड और विद्युत अपघट्य क्रमशः होते हैं :

- (A) अशुद्ध कॉपर, शुद्ध कॉपर, अम्लीकृत कॉपर सल्फेट विलयन
- (B) शुद्ध कॉपर, अशुद्ध कॉपर, सल्फ्यूरिक अम्ल
- (C) शुद्ध कॉपर, अशुद्ध कॉपर, अम्लीकृत कॉपर सल्फेट विलयन
- (D) अशुद्ध कॉपर, शुद्ध कॉपर, आसुत जल

2. यदि हम चार कार्बन परमाणुओं का कार्बन कंकाल बनाएँ, तो संभावित दो भिन्न कंकाल होंगे

- | | |
|--|---|
| (A) C – C – C ; C | (B) C – C – C – C; C |
| (C) C – C – C – C; C C | (D) C – C – C – C ; C C |

3. नीचे दी गयी संतुलित रासायनिक अभिक्रिया में a, b, c और d के मान क्रमशः हैं :



- | | |
|----------------|----------------|
| (A) 1, 1, 2, 1 | (B) 1, 1, 1, 2 |
| (C) 2, 2, 1, 4 | (D) 2, 2, 4, 1 |

4. कोई धातु 'X' सोडियम हाइड्रॉक्साइड से अभिक्रिया करके कोई गैस 'G' मुक्त करती है। यह तनु सल्फ्यूरिक अम्ल से अभिक्रिया करने पर भी इसी गैस 'G' को मुक्त करती है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर 'X' और 'G' क्रमशः हैं

- | | |
|------------------------------|------------------------------|
| (A) कॉपर और सल्फर डाइऑक्साइड | (B) जिंक और सल्फर डाइऑक्साइड |
| (C) जिंक और हाइड्रोजन | (D) कॉपर और हाइड्रोजन |

31/5/3



SECTION – A

(20 × 1 = 20)

In this section, Question Nos. 1 to 20 are Multiple Choice Questions.
All questions are compulsory.

1. During electrolytic refining of copper, the anode, the cathode and the electrolyte used respectively are
 - (A) Impure copper, pure copper, acidified copper sulphate solution
 - (B) Pure copper, impure copper, sulphuric acid
 - (C) Pure copper, impure copper, acidified copper sulphate solution
 - (D) Impure copper, pure copper, distilled water
2. If we make carbon skeleton with four carbon atoms, the two different possible skeletons will be
 - (A) $\text{C} - \text{C} - \text{C}$; $\begin{array}{c} | \\ \text{C} \end{array} \text{C} - \text{C} - \text{C}$
 - (B) $\text{C} - \text{C} - \text{C} - \text{C}$; $\begin{array}{c} & \text{C} \\ & / \backslash \\ \text{C} - & \text{C} \end{array}$
 - (C) $\text{C} - \text{C} - \text{C} - \text{C}$; $\begin{array}{c} | \\ \text{C} \\ | \\ \text{C} \end{array} \text{C} - \text{C}$
 - (D) $\text{C} - \text{C} - \text{C} - \text{C}$; $\begin{array}{c} | \quad | \\ \text{C} \quad \text{C} \end{array}$
3. The values of **a**, **b**, **c** and **d** in the following balanced chemical equation are respectively :
$$\text{a Pb(NO}_3)_2 \xrightarrow{\text{heat}} \text{b PbO} + \text{c NO}_2 + \text{d O}_2$$
 - (A) 1, 1, 2, 1
 - (B) 1, 1, 1, 2
 - (C) 2, 2, 1, 4
 - (D) 2, 2, 4, 1
4. A metal, ‘X’, on treatment with sodium hydroxide liberates a gas ‘G’. It also liberates the same gas, ‘G’ on treatment with dilute sulphuric acid. Based on above information, ‘X’ and ‘G’ respectively are
 - (A) Copper and Sulphur dioxide
 - (B) Zinc and Sulphur dioxide
 - (C) Zinc and Hydrogen
 - (D) Copper and Hydrogen

31/5/3

5

CLICK HERE



www.studentbro.in

[P.T.O.]

~



31/5/3

6

1



31/5/3

7

[P.T.O.]

**Get More Learning Materials Here : **

[CLICK HERE >>](#)



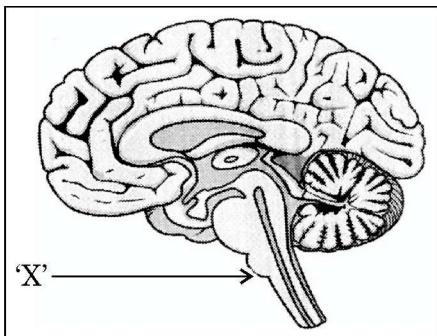
www.studentbro.in



9. बीजों में तीव्र कोशिका विभाजन तथा पत्तियों के मुरझाने को बढ़ावा देने वाले पादप हॉर्मोन क्रमशः हैं
(A) ऑक्सिन और एब्सिसिक अम्ल (B) साइटोकाइनिन और एब्सिसिक अम्ल
(C) जिब्बेरेलिन और ऑक्सिन (D) एब्सिसिक अम्ल और जिब्बेरेलिन

10. स्पाइरोगायरा और प्लैनेरिया के जनन की विधा क्रमशः हैं
(A) पुनर्जनन और मुकुलन
(B) पुनर्जनन और खण्डन
(C) खण्डन और पुनर्जनन
(D) मुकुलन और पुनर्जनन

11.



उपरोक्त आरेख में दिए गए मानव मस्तिष्क के भाग 'X' द्वारा नीचे दिया गया कौन सा तंत्रिक कार्य नियंत्रित नहीं किया जाता है ?

- (A) लार आना (B) भूख लगना

(C) वमन (D) रक्तचाप

12. अमीबा में पोषण के विभिन्न चरण नीचे दिए गए हैं। इनका सही अनुक्रम चुनिए :

 - सरल पोषकों का कोशिकाद्रव्य में विसरण
 - खाद्य रिक्तिका बनना
 - कोशिकीय सतह से अंगुली जैसे अस्थायी प्रवर्ध बनना
 - जटिल पदार्थों का सरल पदार्थों में टूटना (विघटन)
 - अपच पदार्थों का कोशिकीय सतह से निष्कासन

(A) (iv), (i), (ii), (iii), (v) (B) (iii), (ii), (iv), (i), (v)

(C) (ii), (i), (iv), (v), (iii) (D) (iii), (iv), (i), (ii), (v)

31/5/3

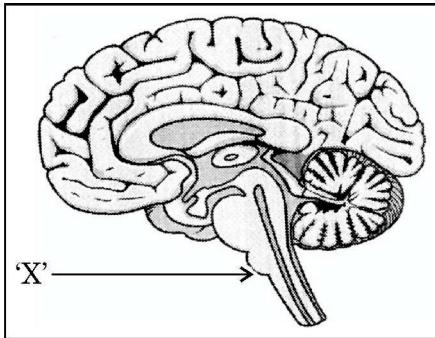
8

1



9. The plant hormones promoting rapid cell division in seeds and wilting of leaves respectively are
- (A) Auxins and Abscisic acid (B) Cytokinins and Abscisic acid
(C) Gibberellins and Auxins (D) Abscisic acid and Gibberellins
10. The modes of reproduction in *Spirogyra* and *Planaria* respectively are
- (A) Regeneration and budding
(B) Regeneration and fragmentation
(C) Fragmentation and regeneration
(D) Budding and regeneration

11.



Which among the following is not a neural action controlled by the part of human brain labelled 'X' in the figure above ?

- (A) Salivation (B) Hunger
(C) Vomiting (D) Blood Pressure
12. Listed below are the steps of nutrition in Amoeba. Select the correct sequence of these steps :
- (i) Diffusion of simple nutrients into cytoplasm
(ii) Food vacuole formation
(iii) Formation of finger like temporary extensions of cell surface
(iv) Complex substances broken to simpler ones
(v) Undigested material thrown out of the cell surface
- (A) (iv), (i), (ii), (iii), (v) (B) (iii), (ii), (iv), (i), (v)
(C) (ii), (i), (iv), (v), (iii) (D) (iii), (iv), (i), (ii), (v)

31/5/3

9

CLICK HERE



www.studentbro.in

[P.T.O.]

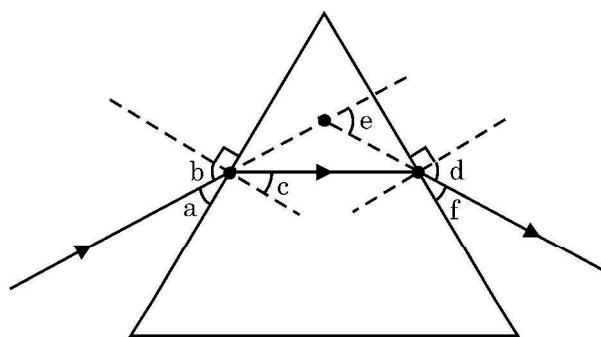


13. पर्यावरण को प्रभावित करने वाले मानव के कार्यकलाप हैं :
- क्लोरोफ्लुओरो कार्बनों के उपयोग को निम्नतम करना ।
 - प्रयोज्य (प्रयोग करके फेंके जाने वाले) कप और प्लेटों का अधिकाधिक उपयोग करना ।
 - पुनः उपयोग किए जाने वाले खाने और पीने के बर्तनों का अधिकतम उपयोग करना ।
 - निपटारा करने से पहले अपशिष्टों को जैव-निम्नीकरणीय और अजैव-निम्नीकरणीय में पृथक करना ।

14. प्राकृतिक और मानव निर्मित (कृत्रिम) पारितंत्रों के उदाहरण हैं क्रमशः

- | | |
|-------------------|----------------|
| (A) वन और तालाब | (B) खेत और झील |
| (C) झील और बागीचा | (D) खेत और वन |

15. नीचे दिए गए किरण आरेख पर विचार कीजिए :



इसमें आपतन कोण और विचलन कोण हैं क्रमशः

- | | |
|------------|------------|
| (A) a और e | (B) b और d |
| (C) b और e | (D) a और f |

16. किसी मरीज़ के दाँतों का आवर्धित प्रतिबिम्ब प्राप्त करने के लिए दंत चिकित्सक अवतल दर्पण को इस प्रकार पकड़कर रखता है कि दाँतों की स्थिति दर्पण के
- फोकस पर हो ।
 - ध्रुव और फोकस के बीच हो ।
 - फोकस और वक्रता केन्द्र के बीच हो ।
 - वक्रता केन्द्र पर हो ।

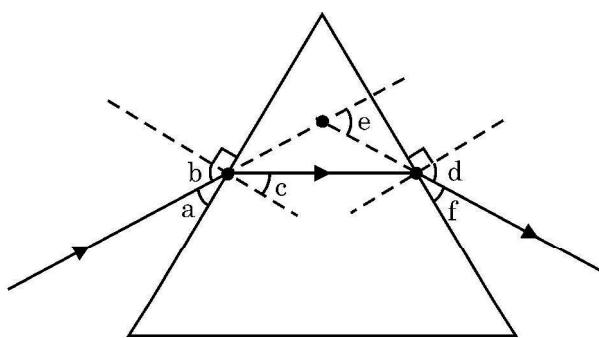
31/5/3

10

~



13. Human activities that are affecting the environment are :
- (A) minimising the use of chlorofluorocarbons.
 - (B) excessive use of disposable cups and plates.
 - (C) maximising the use of reusable utensils for eating food and drinking fluids.
 - (D) segregating the wastes into biodegradable and non-biodegradable before disposal.
14. The examples of natural and manmade (artificial) ecosystems are respectively
- (A) Forests and ponds
 - (B) Crop fields and lakes
 - (C) Lakes and gardens
 - (D) Crop fields and forests
15. Consider the following ray diagram :



- Here, the angle of incidence and angle of deviation respectively are
- (A) a and e
 - (B) b and d
 - (C) b and e
 - (D) a and f
16. In order to obtain large images of the teeth of patients, the dentist holds the concave mirror in such a manner that the teeth are positioned
- (A) at the focus of mirror.
 - (B) between pole and focus of the mirror.
 - (C) between focus and centre of curvature of the mirror.
 - (D) at the centre of curvature of the mirror.

31/5/3

11

[P.T.O.]



प्रश्न संख्या 17 से 20 में दो कथन – अभिकथन (A) और कारण (R) दिए गए हैं। इन प्रश्नों के उत्तर नीचे दिए अनुसार उचित विकल्प (A), (B), (C) और (D) से चुनकर दीजिए :

- (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) द्वारा अभिकथन (A) की सही व्याख्या हो रही है।
- (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R) द्वारा अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं हो रही है।
- (C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है।
- (D) अभिकथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है।

17. **अभिकथन (A)** : सभी जीव सूर्य की विकरित ऊर्जा का उपयोग करके अकार्बनिक पदार्थों से शर्करा और स्टार्च जैसे कार्बनिक यौगिक बना सकते हैं।

कारण (R) : जो जीव प्रकाश-संश्लेषण द्वारा भोजन बना सकते हैं उन्हें उत्पादक कहते हैं।

18. **अभिकथन (A)** : किसी धारावाही परिनालिका के चुम्बकीय क्षेत्र का पैटर्न किसी छड़ चुम्बक के चुम्बकीय क्षेत्र के पैटर्न जैसा होता है।

कारण (R) : किसी धारावाही चालक के चारों ओर के चुम्बकीय क्षेत्र का पैटर्न चालक की आकृति पर निर्भर नहीं करता है।

19. **अभिकथन (A)** : विशिष्ट ऊतक जिसे प्लैसेन्टा कहते हैं, की सहायता से भूण माता के रुधिर से पोषण प्राप्त करता है।

कारण (R) : प्लैसेन्टा एक तश्तरी है जो गर्भाशय की भित्ति में धाँसी होती है।

20. **अभिकथन (A)** : सूर्य के प्रकाश में सिल्वर क्लोराइड धूसर रंग का हो जाता है।

कारण (R) : सूर्य का प्रकाश सिल्वर क्लोराइड को सिल्वर और क्लोरीन में अपघटित कर देता है।

31/5/3

12

~



Question Nos. 17 to 20 consists of two statements Assertion (A) and Reason (R).

Answer these questions selecting the appropriate option given below :

- (A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).
- (B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is not the correct explanation of the Assertion (A).
- (C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.
- (D) Assertion (A) is false, but Reason (R) is true.

17. **Assertion (A)** : All organisms can make organic compounds like sugar and starch from inorganic substances using radiant energy of the sun.

Reason (R) : The organisms which can produce food by photosynthesis are called producers.

18. **Assertion (A)** : The pattern of the magnetic field of a solenoid carrying a current is similar to that of a bar magnet.

Reason (R) : The pattern of the magnetic field around a current carrying conductor is independent of the shape of the conductor.

19. **Assertion (A)** : The embryo gets nutrition from the mother's blood with the help of a special tissue called placenta.

Reason (R) : Placenta is a disc which is embedded in the uterine wall.

20. **Assertion (A)** : Silver chloride turns grey in sunlight.

Reason (R) : Decomposition of silver chloride into silver and chlorine takes place by sunlight.

31/5/3

13

[P.T.O.]



खण्ड – ख

प्रश्न संख्या 21 से 26 अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक हैं।

21. प्रयोग करते समय किसी छात्र ने यह प्रेक्षण किया कि दिए गए दर्पण के सामने बिम्ब को किसी भी स्थिति में रखें उसका प्रतिबिम्ब सीधा और साइज में छोटा ही बनता है। इस प्रेक्षण/सूचना के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

- (a) इस दर्पण को पहचानिए।
- (b) नयी कार्टीय चिह्न परिपाठी का उपयोग करके इस प्रकरण के लिए आवर्धन का परिमाण लिखिए।
- (c) यदि इस दर्पण की फोकस दूरी 20 cm है, तो इसकी वक्रता त्रिज्या क्या है ?

22. (A) पाँच प्रतिरोधकों, जिनमें प्रत्येक का प्रतिरोध $\frac{1}{5} \Omega$ है, का उपयोग करके कितना अधिकतम और निम्नतम प्रतिरोध प्राप्त किया जा सकता है ?

अथवा

- (B) 4Ω प्रतिरोध के उस प्रतिरोधक के सिरों पर विभवान्तर ज्ञात कीजिए जो प्रति सेकण्ड 100 J ऊष्मा उत्पन्न करता है।

23. कारण दीजिए :

- (a) नर जनन तंत्र में जनन कोशिका के निर्माण के लिए उत्तरदायी अंग उदर गुहा के बाहर स्थित होता है।
- (b) शुक्रवाहिनी के मार्ग के अनुदिश उपस्थित ग्रन्थियों की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

31/5/3

14

~



SECTION – B

**Question Nos. 21 to 26 are Very Short Answer type questions.
Each question carries 2 marks.**

21. During an experiment, a student observes that the given mirror is forming an erect and diminished image for all positions of the object placed in front of it.

Based on the this information, answer the following questions :

- (a) Identify the mirror.
 - (b) Using new Cartesian sign convention, write the magnitude of the magnification in this case.
 - (c) What will be the radius of curvature of the mirror if its focal length is 20 cm ?
22. (A) Determine the maximum and minimum resistance which can be obtained by joining five resistors of $\frac{1}{5} \Omega$ each.

OR

- (B) Calculate potential difference across a 4Ω resistor that produces 100 J of heat every second.

23. Give reasons :
- (a) The male reproductive organ responsible for formation of germ cells is located outside the abdominal cavity.
 - (b) The roles of the glands, present along the path of the vas-deferens, are very significant.

31/5/3

15

~

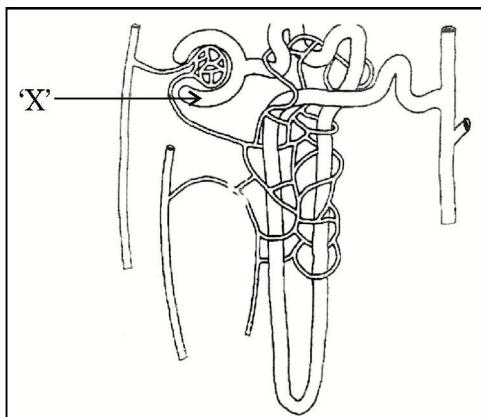
[P.T.O.]



24. (A) लसीका का निर्माण किस प्रकार होता है ? इसका महत्वपूर्ण कार्य लिखिए।

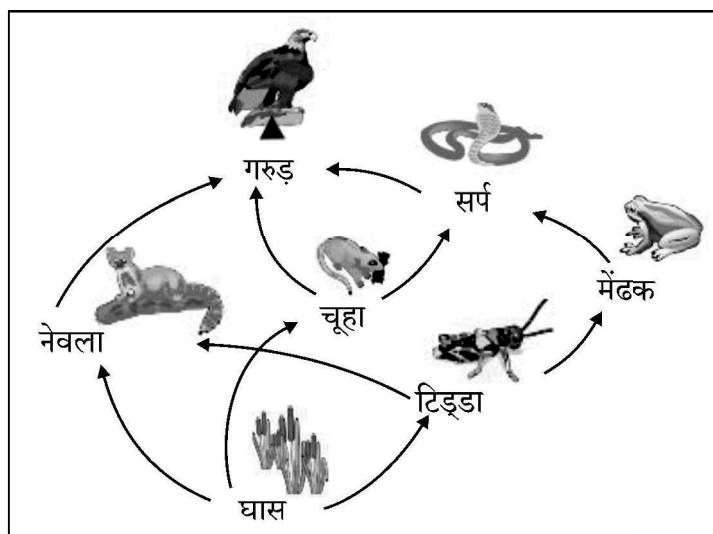
अथवा

(B) (a) मानव वृक्काणु के आरेख में दर्शाए 'X' भाग को पहचानिए। मूत्र निर्माण की प्रक्रिया में इसकी क्या भूमिका होती है ?



(b) वृक्काणु के नलिकाकार भाग के अनुदिश प्रवाहित होते समय प्रारम्भिक निस्यन्द से कुछ पदार्थ चयनित पुनरवशेषित क्यों कर लिए जाते हैं ?

25. नीचे दिए गए आहार जाल का अध्ययन कीजिए :



- (a) उस/उन आहार शृंखला(ओं) को चुनिए जिससे/जिनसे गरुड़ उत्पादक से अधिकतम ऊर्जा प्राप्त करता है।
- (b) उस जीव को पहचानिए जिसके शरीर में अजैव-निम्नीकरणीय पीड़कनाशियों की अधिकतम सांद्रता पायी जाएगी। इस परिघटना के लिए प्रयुक्त पद को लिखिए।

31/5/3

16

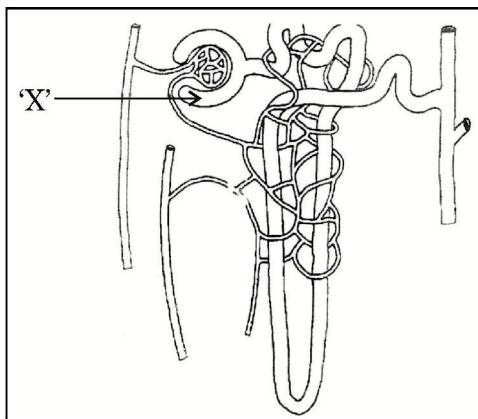




24. (A) How is lymph formed ? State its important function.

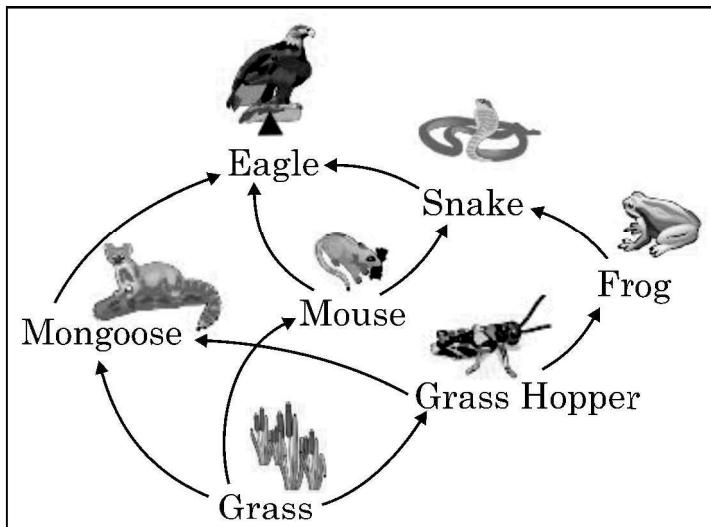
OR

(B) (a) Identify 'X' in the figure of human nephron shown below. What role does it play in the process of urine formation ?



(b) Why some substances are selectively reabsorbed from the initial filtrate of urine, as it flows along the tubular part of nephron ?

25. Study the food web given below :



- Identify the food chain(s) in which the eagle receives the highest energy from the producers.
- Identify the organism in which a non-biodegradable pesticide will be found in maximum concentration. Name the term used for this phenomenon.

31/5/3





26. कॉपर के किसी तार पर ज्वाला में दहन होने पर काले पदार्थ की परत चढ़ जाती है। होने वाली अभिक्रिया का रासायनिक समीकरण लिखिए। इस रासायनिक परिवर्तन को किस प्रकार उत्क्रमित किया जा सकता है?

खण्ड – ग

प्रश्न संख्या 27 से 33 लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 3 अंक हैं।

27. उस प्रकरण के लिए, जिसमें कोई धारावाही चालक किसी एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र में स्थित है, नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

- (a) उन तीन कारकों की सूची बनाइए जिन पर चालक पर लगने वाले बल का परिमाण निर्भर करता है।
 - (b) चालक पर कब अधिकतम परिमाण का बल लगता है?
 - (c) चालक पर लगने वाले बल की दिशा निर्धारित करने में सहायता करने वाले नियम का नाम लिखिए तथा इस नियम के एक अनुप्रयोग का उल्लेख कीजिए।
28. किसी 0.01 cm त्रिज्या के तार का प्रतिरोध 7Ω है। यदि इस तार के पदार्थ की प्रतिरोधकता $44 \times 10^{-6}\Omega\text{m}$ है, तो इस तार की लम्बाई परिकलित कीजिए।

29. किसी लेंस की क्षमता -0.25 D है। इस सूचना के आधार पर ज्ञात कीजिए
- (a) इस लेंस का प्रकार और फोकस दूरी।
 - (b) उस दृष्टि दोष का नाम जिसके लिए इस लेंस का उपयोग संशोधक लेंस के रूप में किया जा सकता है।
 - (c) इस लेंस के प्रकाशिक केन्द्र से F और $2F$ के बीच किसी बिम्ब को रखने पर लेंस द्वारा बनने वाले प्रतिबिम्ब की प्रकृति और साइज।

31/5/3

18

~



26. A copper wire on burning in flame, gets coated with a black substance. Write the chemical equation of the reaction that takes place. How can this chemical change be reversed ?

SECTION – C

Question Nos. 27 to 33 are Short Answer type questions. Each question carries 3 marks.

27. Answer the following questions for a case in which a current carrying conductor is placed in a uniform magnetic field :
- List three factors on which the magnitude of the force acting on the conductor depends.
 - When is the magnitude of force on the conductor maximum ?
 - Name the rule which helps in determining the direction of force on the conductor and give its one application.
28. The resistance of a wire of 0.01 cm radius is 7 ohms. If the resistivity of the material of the wire is 44×10^{-6} ohm meter, calculate the length of the wire.
29. The power of a lens is -0.25 D. Based on this information, find out
- The type of lens and its focal length.
 - The eye defect for which it may be used as a corrective lens.
 - The nature and size of the image formed by this lens when an object is placed between F and $2F$ from the optical centre of this lens.

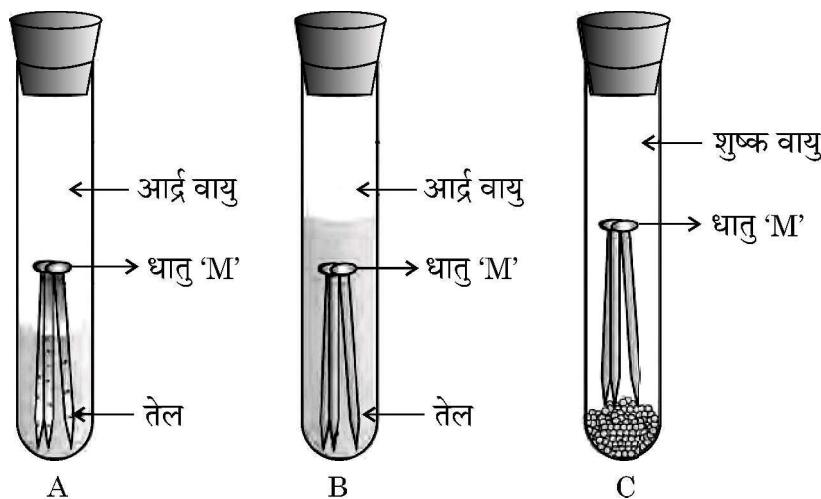
31/5/3

19

[P.T.O.]



30. स्व-परागण और परपरागण के बीच विभेदन कीजिए। स्पीशीज की उत्तरजीविता के लिए इनमें से कौन सा श्रेयस्कर है? अपने उत्तर की कारण सहित पुष्टि कीजिए।
31. स्थलीय पौधों को प्रकाश-संश्लेषण के लिए आवश्यक तीन कच्ची सामग्रियों की सूची बनाइए। व्याख्या कीजिए कि प्रकृति पादपों को यह कच्ची सामग्री किस प्रकार प्रदान करती है।
32. (A) नीचे दिए गए आरेख का प्रेक्षण कीजिए। इसमें उन स्थितियों को निर्धारित करने के प्रयोग को दर्शाया गया है जिनमें कोई धातु 'M' संक्षारित होती है।



यदि धातु 'M' को सामान्यतः यशदलेपन की विधि द्वारा संक्षारित होने से बचाया जाता है तो प्रत्येक प्रकरण A, B और C के कारण सहित अपने प्रेक्षणों की सूची बनाइए।

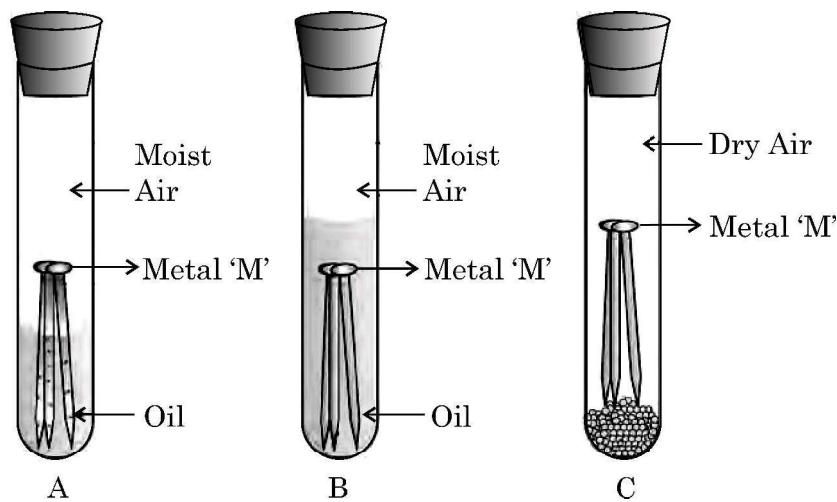
अथवा

- (B) (a) इलेक्ट्रॉन स्थानान्तरण द्वारा एलुमिनियम नाइट्राइड (Al/N) का निर्माण दर्शाइए।
[परमाणु संख्या Al = 13; N = 7]
- (b) “आयनिक यौगिक ठोस तथा सामान्यतया भंगुर होते हैं और दाढ़ अनुप्रयुक्त किए जाने पर टुकड़ों में टूट जाते हैं।” इस कथन की कारण सहित पुष्टि कीजिए।

31/5/3



30. Differentiate between self-pollination and cross pollination. Which one of the two is better for the survival of species ? Give reason to justify your answer.
31. List three raw materials required by terrestrial plants for photosynthesis. Explain how nature provides these raw material to the plants.
32. (A) Observe the following diagram showing an experiment to determine the conditions under which a metal 'M' corrodes.



List your observations in each of the three cases A, B and C with reason, if the metal 'M' is generally protected against corrosion by the method of galvanisation.

OR

- (B) (a) Show the formation of Aluminium Nitride (AlN) by the transfer of electrons. [At. no. of $Al = 13$; At. no. of $N = 7$]
- (b) "Ionic compounds are solids and are generally brittle and break into pieces when pressure is applied." Give reason to justify the statement.

31/5/3

21

[P.T.O.]



33. धोने के सोडे का रासायनिक सूत्र लिखिए। इसे बेकिंग सोडे से किस प्रकार प्राप्त किया जाता है ? धोने के सोडे के दो उपयोगों की सूची बनाइए।

खण्ड – घ

प्रश्न संख्या 34 से 36 दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं।

34. (A) (a) “कार्बन यौगिकों के प्रकार्यात्मक समूह” की परिभाषा लिखिए। (i) प्रोपैनॉल और (ii) प्रोपैनोन में उपस्थित प्रकार्यात्मक समूह का सूत्र लिखिए।
 (b) (i) एथेनॉल को एथीन तथा (ii) एथेनॉल को एथेनॉइक अम्ल में परिवर्तित करने वाली प्रक्रियाओं का नाम लिखिए। प्रत्येक प्रकरण के लिए अभिक्रिया के होने के लिए शर्तों का उल्लेख करते हुए अभिक्रियाओं के समीकरण लिखिए।

अथवा

- (B) (a) दो चक्रीय हाइड्रोकार्बनों के नाम लिखिए तथा किसी एक की संरचना खींचिए।
 (b) साबुन को जल में मिलाने पर मिसेल निर्मित होने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।
35. (A) (a) दी गयी परिस्थितियों का विश्लेषण करके प्रत्येक प्रकरण के लिए संभावित कारण प्रतिपादित कीजिए :

- (i) किसी व्यक्ति के भोजन में आयोडीन की कमी के कारण फूली गर्दन का रोग होने की संभावना में वृद्धि हो जाती है।
 (ii) किसी समष्टि में कुछ व्यक्ति बहुत कम लम्बाई वाले (बौने) होते हैं।
 (iii) लड़कों में 10-12 वर्ष की आयु होने पर उनके चेहरे पर गहरे बाल उग आते हैं।

31/5/3

22

~



33. Write chemical formula of washing soda. How is it obtained from baking soda ? List two uses of washing soda.

SECTION – D

Question Nos. 34 to 36 are Long Answer type questions. Each question carries 5 marks.

34. (A) (a) Define the term “Functional group of a carbon compound”. Write the formula of functional group present in (i) propanol and (ii) propanone.
- (b) Name the process of conversion of (i) ethanol to ethene and (ii) ethanol to ethanoic acid. Write the reaction equation stating the conditions required for each of the reactions to occur.

OR

- (B) (a) Name two cyclic hydrocarbons and draw the structure of any one.
- (b) Explain the process of micelle formation on adding soap in water.
35. (A) (a) Analyse the given situations and interpret the possible reason for each :
- (i) Iodine deficiency in diet increases the possibility of a disease of swollen neck in a person.
- (ii) Some people in population may have very short heights (dwarfs).
- (iii) Thick facial hairs develop in boys at the age of 10-12 years.

31/5/3

23

~

[P.T.O.]

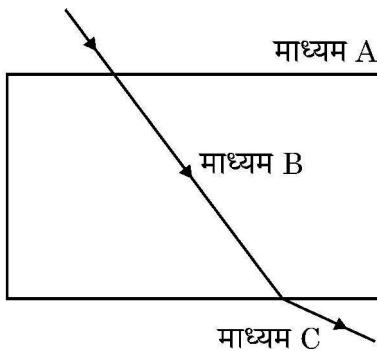




- (b) उन दो कारणों की व्याख्या कीजिए जिनके कारण बहुकोशिक जीवों में रासायनिक संचरण (संसूचन) अनिवार्य हो जाता है।

अथवा

- (B) (a) ऐच्छिक और अनैच्छिक क्रियाओं के बीच विभेदन कीजिए।
 (b) प्रतिवर्ती क्रिया की परिभाषा लिखिए। प्रवाह आरेख की सहायता से किसी तंत्रिका आवेग का पथ उसके उद्गम से सही अनुक्रम में दर्शाइए।
36. (A) (a) नीचे दिए गए आरेख का प्रेक्षण कीजिए तथा तीनों माध्यमों A, B और C में (i) प्रकाश की चाल तथा (ii) इन माध्यमों के प्रकाशिक घनत्वों की तुलना कीजिए। इन प्रकरणों में से किसी एक प्रकरण के उत्तर की पुष्टि इन माध्यमों के अपवर्तनांकों के पदों में भी कीजिए।



- (b) इन तीनों माध्यमों में प्रकाश का पथ उस परिस्थिति के लिए पुनः आरेखित कीजिए जिसमें प्रकाश किरण माध्यम A से माध्यम B पर
- (i) तिर्यकत: आपतन करती है तथा माध्यम B का प्रकाशिक घनत्व A और C के प्रकाशिक घनत्वों से अधिक है; तथा
- (ii) अभिलम्बवत आपतन करती है।

अथवा

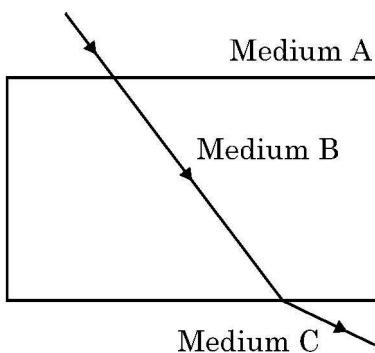
31/5/3



- (b) Explain two reasons which necessitate the need of chemical communication in multicellular organisms.

OR

- (B) (a) Differentiate between voluntary and involuntary action.
(b) Define reflex action. With the help of a flow diagram, show the correct sequence of path of Nerve impulse from place of its origin.
36. (A) (a) Observe the following diagram and compare (i) speed of light and (ii) optical densities of the three media A, B and C. Also give justification for your answer of any one of the two cases in terms of refractive indices of A, B and C.



- (b) Redraw the path of a ray of light through the three media, if the ray of light starting from medium A falls on the medium B
- (i) Obliquely and the optical density of medium B is made more than that of A and C.
(ii) The ray falls normally from medium A to medium B.

OR

31/5/3

25

~

[P.T.O.]



- (B) नीचे दी गयी प्रेक्षण तालिका का विश्लेषण कीजिए जिसमें किसी उत्तल लेंस के प्रकरण में बिम्ब-दूरी (u) के साथ प्रतिबिम्ब दूरी (v) का विचरण दर्शाया गया है तथा तालिका के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर परिकलन किए बिना ही दीजिए :

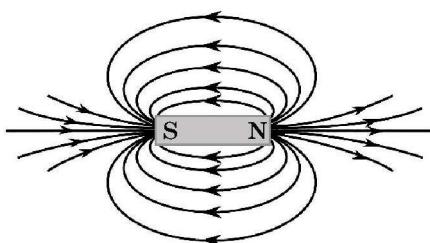
| प्रेक्षण संख्या | बिम्ब दूरी (u) cm में | प्रतिबिम्ब दूरी (v) cm में |
|-----------------|-----------------------|----------------------------|
| 1 | -15 | -60 |
| 2 | -25 | +100 |
| 3 | -30 | +60 |
| 4 | -40 | +40 |
| 5 | -60 | +30 |
| 6 | -100 | +25 |

- (a) लेंस की फोकस दूरी निर्धारित कीजिए । अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए ।
- (b) प्रेक्षण संख्या 3 में बने प्रतिबिम्ब का आवर्धन ज्ञात कीजिए ।
- (c) प्रेक्षण संख्या 1 और 2 के प्रकरणों में आवर्धन का आंकिक मान समान है । इन दोनों प्रकरणों में बनने वाले प्रतिबिम्बों के बीच दो अन्तरों की सूची बनाइए ।

खण्ड - ड

प्रश्न संख्या 37 से 39 स्रोत आधारित/प्रकरण आधारित प्रश्न 2 अथवा 3 उप-प्रश्नों सहित हैं । इन उप-प्रश्नों में से एक में आंतरिक विकल्प दिया गया है । प्रत्येक प्रश्न के 4 अंक हैं ।

37. किसी छड़ चुम्बक की चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएँ प्राप्त करने के लिए किसी छात्र ने दिक्सूची और छड़ चुम्बक का उपयोग करके एक प्रयोग किया । उसने ड्राइंग बोर्ड पर सफेद कागज की शीट बिछाकर उसके बीच में छड़ चुम्बक को रखा । दिक्सूची का उपयोग करके उसने छड़ चुम्बक के चारों ओर कागज पर नीचे दिए अनुसार चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं का पैटर्न प्राप्त किया ।



31/5/3

26

~



- (B) Analyse the following observation table showing variation of image distance (v) with object distance (u) in case of a convex lens and answer the questions that follow without doing any calculations :

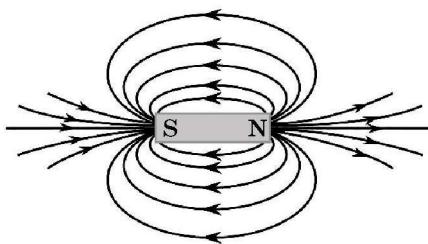
| Observation Number | Object distance (u) in cm | Image distance (v) in cm |
|--------------------|-------------------------------|------------------------------|
| 1 | -15 | -60 |
| 2 | -25 | +100 |
| 3 | -30 | +60 |
| 4 | -40 | +40 |
| 5 | -60 | +30 |
| 6 | -100 | +25 |

- (a) Determine the focal length of the lens. Give reason for your answer.
- (b) Find magnification of the image formed in Observation No. 3.
- (c) The numerical value of magnifications in cases of observation 1 and 2 is same. List two differences in the images formed in these two cases.

SECTION – E

Question Nos. 37 to 39 are Case/Data based questions with 2 or 3 sub parts. Internal choice is provided in one of these sub parts. Each question carries 4 marks.

37. In order to obtain magnetic field lines around a bar magnet, a student performed an experiment using a magnetic compass and a bar magnet. The magnet was placed on a sheet of white paper fixed on a drawing board. Using magnetic needle he obtained on the paper a pattern of magnetic field lines (as shown below) around the bar magnet.



31/5/3

27

[P.T.O.]



- (a) परिपाठी के अनुसार क्षेत्र रेखाएँ चुम्बक के उत्तर ध्रुव से प्रकट होती हैं और दक्षिण ध्रुव पर विलीन हो जाती हैं। क्यों ? कारण दीजिए।
- (b) चुम्बकीय क्षेत्र की प्रबलता और क्षेत्र रेखाओं की निकटता की कोटि के बीच संबंध का उल्लेख कीजिए।
- (c) (A) (i) दो क्षेत्र रेखाएँ एक दूसरे का परिच्छेदन कभी नहीं करती हैं। कारण दीजिए।
(ii) किसी स्थान पर चुम्बकीय क्षेत्र एकसमान है। इसे निरूपित करने के लिए आरेख खींचिए।

अथवा

- (c) (B) किसी धारावाही परिनालिका के भीतर और उसके चारों ओर उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं का पैटर्न आरेखित कीजिए। परिनालिका के भीतर चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं का पैटर्न क्या निरूपित करता है ?
38. विभिन्न तत्त्वों की संयोजन क्षमता संयोजकता इलेक्ट्रॉनों की संख्या पर निर्भर करती है। साथ ही तत्त्वों की सक्रियता की व्याख्या उनकी बाह्यतम कोश को पूर्णतः भरने की अर्थात् निकटतम उत्कृष्ट गैस का विन्यास प्राप्त करने की प्रवृत्ति द्वारा की जाती है। ऐसा या तो इलेक्ट्रॉनों को ग्रहण करके अथवा इलेक्ट्रॉनों को खोकर अथवा इलेक्ट्रॉनों की साझेदारी द्वारा हो सकता है।
- (a) किसी तत्त्व A की परमाणु संख्या 16 है। यह निकटतम उत्कृष्ट गैस विन्यास किस प्रकार प्राप्त करेगा ?
- (b) ब्यूटीन (C_4H_8) के अणु में (i) एकल और (ii) दोहरे सहसंयोजी आबन्धों की संख्या लिखिए।
- (c) (A) इलेक्ट्रॉन बिन्दु संरचना का उपयोग करके अमोनिया (NH_3) के अणु के बनने की व्याख्या कीजिए। (नाइट्रोजन की परमाणु संख्या 7 है।)

अथवा

- (c) (B) कार्बन अपने संयोजकता इलेक्ट्रॉनों की साझेदारी कार्बन के अन्य परमाणुओं अथवा अन्य तत्त्वों के परमाणुओं के संयोजकता इलेक्ट्रॉनों के साथ क्यों करता है ?

31/5/3





- (a) By convention, the field lines emerge from north pole and merge at south pole. Why ? Give reason.
- (b) State the relationship between strength of the magnetic field and the degree of closeness of the field lines.
- (c) (A) (i) No two field lines can ever intersect each other. Give reason.
(ii) The magnetic field in a given region is uniform. Draw a diagram to represent it.

OR

- (c) (B) Draw the pattern of the magnetic field lines through and around a current carrying solenoid. What does the pattern of field lines inside the solenoid represent ?
38. The combining capacity of various elements depends on the number of valence electrons. Also the reactivity of elements is explained as their tendency to attain a completely filled outer shell, that is, to attain a noble gas configuration. This may be either through gain of electrons or loss of electrons or sharing of electrons.
- (a) An element A has atomic number 16, how will it attain its nearest noble gas configuration ?
- (b) Write the number of (i) single and (ii) double covalent bonds in a molecule of butene (C_4H_8).
- (c) (A) Explain the formation of a molecule of ammonia (NH_3), using electron dot structure. (Atomic number of nitrogen is 7)

OR

- (c) (B) Why does carbon share its valence electrons with other atoms of carbon or with atoms of other elements ?

31/5/3

29

~

[P.T.O.]



39. मानवों में गुणसूत्रों के 23 जोड़े होते हैं। गुणसूत्रों के इन 23 जोड़ों (अर्थात् 46 गुणसूत्रों) में से 22 जोड़े गुणसूत्रों के होते हैं जिन्हें (ऑटोसोम) कहते हैं तथा गुणसूत्रों का एक जोड़ा, अर्थात् दो गुणसूत्र, लिंग गुणसूत्र कहलाते हैं। लिंग गुणसूत्र दो प्रकार के होते हैं – ‘X’ गुणसूत्र और ‘Y’ गुणसूत्र। किसी बच्चे (अर्थात् संतति) के लिंग का निर्धारण निषेचन के समय होता है। अन्य शब्दों में, युग्मनज के निर्माण के समय बच्चे के माता-पिता द्वारा वंशानुगत लिंग गुणसूत्र यह निर्धारित करते हैं कि नवजात लड़का होगा अथवा लड़की होगी।

- (a) गुणसूत्र किसे कहते हैं ?
- (b) मानव नर के गुणसूत्रों के जोड़े को परिपूर्ण जोड़ा क्यों नहीं कहा जाता है ?
- (c) (A) प्रवाह आरेख की सहायता से यह दर्शाइए कि संतति लड़का होगा या लड़की इसकी सांख्यिकीय प्रायिकता 50 : 50 है।

अथवा

- (c) (B) जन्तुओं के ऐसे दो उदाहरणों का उल्लेख कीजिए जिनमें लिंग-निर्धारण मानवों की भाँति आनुवंशिक नहीं होता है। संक्षेप में इनके लिंग निर्धारण की विधि का वर्णन कीजिए।



39. In human beings, there are 23 pairs of chromosomes. Out of these 23 pairs of chromosomes (i.e. 46 chromosomes), 22 pairs of chromosomes are called autosomes and one pair of chromosomes. i.e. two chromosomes are called sex chromosomes. The sex chromosomes are of two types – 'X' chromosomes and 'Y' chromosomes. The sex of a child (i.e. progeny), is decided at the time of fertilisation. In other words, at the time of zygote formation the sex chromosomes inherited from the parents of a child decide whether the new born will be a boy or a girl.
- (a) What are chromosomes ?
- (b) Why is the pair of sex chromosomes in human males called mismatched pair ?
- (c) (A) Show with the help of a flow chart that the statistical probability of getting a boy or a girl is 50 : 50.

OR

- (c) (B) Mention two examples of animals where sex is not determined genetically like human beings. Describe in brief the method of sex determination in these animals.

31/5/3

31

~



31/5/3

550-3

32

~

अंकन योजना
पूरी तरह से गोपनीय
(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)
माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2025

विषय का नाम: विज्ञान

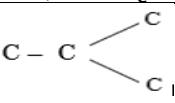
विषय कोड: 086

पेपर कोड: 31/5/1

सामान्य निर्देश: -

| | |
|----|--|
| 1 | आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें। |
| 2 | "मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा प्रणाली पटरी से उत्तर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है। |
| 3 | मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं, अन्यथा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा-X में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए। |
| 4 | अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए। |
| 5 | प्रधान-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं का अध्ययन करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है। |
| 6 | जहां भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (✓) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस 'X' अंकित किया जाए। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही (✓) नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं। |
| 7 | यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जा सकता है। |
| 8 | यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जा सकता है। |
| 9 | यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है, तो अधिक अंकों के योग्य प्रश्न का उत्तर बरकरार रखा जाना चाहिए और दूसरे उत्तर को "अतिरिक्त प्रश्न" नोट के साथ काट दिया जाना चाहिए। |
| 10 | किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए। |
| 11 | बिंदु का एक पूर्ण स्कैन 80 (उदाहरण 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का उपयोग करना होगा। यदि यह उपयुक्त है तो कृपया आर्डिनरी में प्रवेश न लें। |
| 12 | प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट गाइडलाइन्स में दिया गया है)। |

| | |
|----|--|
| | <p>किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से आधिक अंक दना।</p> <ul style="list-style-type: none"> • किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। • गलत योग। • शब्दों और अंकों में अंकित चिह्न मेल नहीं खाते/समान नहीं। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन पुरस्कार सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। (सुनिश्चित करें कि सही टिक मार्क सही और स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए एक्स के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया। |
| 14 | उत्तर पुस्तिका ओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए। |
| 15 | किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए। |
| 16 | परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले "स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए। |
| 17 | प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है। |
| 18 | उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए। |

| प्र. सं | अपेक्षित उत्तर/मूल्य अंक | अंक | कुल अंक |
|---------|--|---|---------|
| | खण्ड क | | |
| 1 | (C) / (i) और (ii) | 1 | 1 |
| 2 | (D) / जिंक | 1 | 1 |
| 3 | (C) / इन लवणों के एक सूत्र इकाई में क्रिस्टलन के जल के अणुओं की संख्या निश्चित होती है। | 1 | 1 |
| 4 | (C) / जिंक और हाइड्रोजन | 1 | 1 |
| 5 | (D) / 2, 2, 4, 1 | 1 | 1 |
| 6 | (A) / अशुद्ध कॉपर, शुद्ध कॉपर, अम्लीकृत कॉपर सल्फेट विलयन | 1 | 1 |
| 7 | (B) / $C - C - C - C$;  | 1 | 1 |
| 8 | (B) / (iii), (ii), (iv), (i), (v) | 1 | 1 |
| 9 | (B) / भूख लगाना | 1 | 1 |
| 10 | (C) / खण्डन और पुनर्जनन | 1 | 1 |
| 11 | (B) / साइटोकार्बनिन और एब्सिसिक अम्ल | 1 | 1 |
| 12 | (D) / कोसिकाद्रव्य और माइटोकॉन्ड्रिया में | 1 | 1 |
| 13 | (B) / ध्रुव और फोकस के बीच हो | 1 | 1 |
| 14 | (B) / अवतल लेंस का उपयोग। | 1 | 1 |
| 15 | (C) / झीलें और बगीचा | 1 | 1 |
| 16 | (B) / प्रयोज्य (प्रयोग करके फंके जाने वाले) और पीने के बर्तनों का अधिकतम उपयोग करना। | 1 | 1 |
| 17 | (A) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। | 1 | 1 |
| 18 | (B) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। | 1 | 1 |
| 19 | (C) / अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है। | 1 | 1 |
| 20 | (D) / अभिकथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है। | 1 | 1 |
| | खण्ड ख | | |
| 21 | (a) $X = FeSO_4 \cdot 7 H_2O$ / फेरस सल्फेट क्रिस्टल Y = Fe_2O_3 / फेरिक ऑक्साइड (b) हरे से सफेद / भूरा | $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 | 2 |
| 22 | (a) शुक्राणु उत्पादन के नियंत्रण के अतिरिक्त तटेस्टोस्टरॉन लड़कों में यौवनावस्थाके लक्षणों का भी नियंत्रण करता है। (b) शुक्राणु का स्थानांतरण सरलता से होता है साथ ही यह साव उन्हें पोषण भी प्रदान करता है। | 1 1 | 2 |

कोशिकाएँ निकलकर ऊतक के अंतक्रोशिकीय अवकाश में आ जाते हैं तथा ऊतक तरल या लसिका का निर्माण करते हैं।

- पचा हुआ तथा श्रुद्रंत्र अवशोधित वसा का वहन लसिका द्वारा होता है और अतिरिक्त तरल को बाह्य कोशिकीय अवकाश से वापस रुधिर में ले जाता है।

अथवा

(B) (a) X- बोमन संपुट

कार्य: निस्पंद एकत्र करता है

(b) जल की मात्रा पुनरवशोषण शरीर में उपलब्ध अतिरिक्त जल की मात्रा पर, तथा कितना विलेय वर्ज्य उत्सर्जित करना है, पर निर्भर करता है।

24

| केरोसिन (1.44) | जल (1.33) |
|--------------------------|----------------------|
| (a) उच्च प्रकाशिक घनत्व | निमं प्रकाशिक घनत्व |
| (b) निमं द्रव्यमान घनत्व | उच्च द्रव्यमान घनत्व |
| (c) निमं प्रकाश की चाल | उच्च प्रकाश की चाल |

- निष्कर्ष:** किरोसिन जिसका अपवर्तनांक जल से अधिक है, जल की अपेक्षा प्रकाशिक सघन है, यद्यपि इसका द्रव्यमान घनत्व जल से कम है।

25

(A) विद्युत बल्ब / विद्युत इस्तरी / विद्युत तंदूर / विद्युत फ्यूज / विद्युत हीटर (कोई दो)

(B) (a) $1 \text{ kWh} = 1000 \text{ वाट} \times 3600 \text{ सेकंड}$

$$= 3.6 \times 10^6 \text{ वाट सेकंड}$$

$$= 3.6 \times 10^6 \text{ जूल (J)}$$

अथवा

(b)

$$\frac{1}{R_p} = \frac{1}{R_1} + \frac{1}{R_2} + \frac{1}{R_3}$$

$$\frac{1}{R_p} = \frac{1}{2\Omega} + \frac{1}{4\Omega} + \frac{1}{6\Omega}$$

$$\therefore R_p = \frac{12}{11}\Omega = 1.09\Omega$$

26

(a) स्वपोषी अथवा उत्पादक प्रथम पोषी स्तर हैं तथा सौर ऊर्जा का स्थिरीकरण करके उसे विषमपोषियों अथवा उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध कराते हैं।

(b) प्रत्येक स्तर पर ऊर्जा की हानि के कारण प्रत्येक पोषी स्तर पर उपलब्ध ऊर्जा में उत्तरोत्तर ह्रास होता है।

/

1

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

1

2

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

2

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

1

1

$\frac{1}{2}$

2

1

1

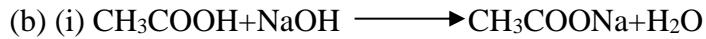
शाकाहारियों को स्थानांतरित की गई ऊर्जा पुनः स्वपोषी जीवों को उपलब्ध नहीं होती है।

2

खण्ड ग

| | | | |
|----|--|-----------------------------|---|
| 27 | <ul style="list-style-type: none"> • $\text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$ • बेकिंग सोडा को गर्म करके सोडियम कार्बोनेट प्राप्त किया जा सकता है और सोडियम कार्बोनेट के पुनः क्रिस्टलीकरण से धोने का सोडा प्राप्त होता है। / $2\text{NaHCO}_3 \xrightarrow{\Delta} \text{Na}_2\text{CO}_3 + \text{H}_2\text{O} + \text{CO}_2$ $\text{Na}_2\text{CO}_3 + 10\text{H}_2\text{O} \longrightarrow \text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$ • उपयोग: <ul style="list-style-type: none"> (i) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग काँच, साबुन एवं कागज उद्योगों में होता है। (ii) इसका उपयोग बोरेक्स जैसे सोडियम यौगिक के उत्पादन में होता है। (iii) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग घरों में साफ़-सफाई के लिए होता है। (iv) जल की स्थायी कठोरता को हटाने के लिए इसका उपयोग होता है। (कोई दो) | 1 | 1 |
| 28 | <p>(A)</p> <p>A: धातु M पर आंशिक रूप से जंग लगेगा तेल के बाहर धातु M का हिस्सा संक्षारणित हो जाएगा जबकि तेल के अंदर धातु</p> <p>M का हिस्सा संक्षारण नहीं करेगा क्योंकि यह नम हवा के सम्पर्क में नहीं है।</p> <p>B: धातु M पर जंग नहीं लगेगा यह तेल के अंदर है और नम हवा के सम्पर्क में नहीं आता है।</p> <p>C: धातु M पर जंग नहीं लगेगा परखनली C की धातु M शुषक वायु के सम्पर्क में रहती है।</p> | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ | |
| | अथवा | | |
| | (B) (a) $\text{Al} = 2, 8, 3$ | | |
| | $\text{N} = 2, 5$ $\text{Al} \xrightarrow{\quad} \text{N} \longrightarrow [\text{Al}^{3+}] \left[:\ddot{\text{N}}^{\cdot -} \right]$ | 2 | |
| | (b) धन एवं ऋण आयनों के बीच मजबूत आकर्षण बल के कारण आयनिक यौगिक ठोस एवं थोड़े कठोर होते हैं। | 1 | 3 |
| 29 | <p>(a) • हीमोग्लोबिन</p> <ul style="list-style-type: none"> • फुफ्फुस की वायु से श्वसन वर्णक ऑक्सीजन लेकर, उन ऊतकों तक पहुँचाते हैं, जिनमें ऑक्सीजन की कमी है। | $\frac{1}{2}$ | |
| | | $\frac{1}{2}$ | |

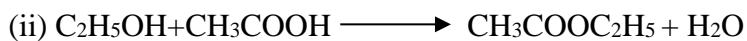
| | | | |
|----|--|---|---|
| | (b) इससे आक्सीजन के अवशाषण तथा काबनडाइऑक्साइड के माचन के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। | 1 | |
| | (c) ए.टी. पी. के विखंडन से एक निश्चित मात्र में ऊर्जा मोचित होती है जो कोशिका के अंदर होने वाली क्रियाओं का परिचालन करती है। | 1 | 3 |
| 30 | (a) निषेचन नर और मादा युग्मकों का संलयन है जिससे युग्मनज बनता है। (b) • युग्मनज भ्रूण बनाता है • बीजाण्ड बीज बनाता है • अंडाशय फल बनाता है • पुंकेसर मुरझाकर गिर जाते हैं | 1 $\frac{1}{2} \times 4$ | |
| 31 | (a) अवतल लेंस $P = \frac{1}{f(m)} \Rightarrow f = \frac{1}{-0.25} \Rightarrow f = -4 \text{ m}$ (b) निकट द्रष्टि दोष (c) आभासी, सीधा, अधिक छोटा | $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ | 3 |
| 32 | $r=0.01 \text{ cm} = 0.01 \times 10^{-2} \text{ m}$, $R= 7 \text{ ohm}$ $\rho = 44 \times 10^{-6} \Omega \text{m}$ $A = \pi r^2$ $R = \rho \frac{l}{A} \Rightarrow l = \frac{R \times A}{\rho}$ $l = \frac{7 \Omega \times (0.01 \times 10^{-2})^2 \times \frac{22}{7} \Omega \text{m}^2}{44 \times 10^{-6} \Omega \text{m}}$ $l = 0.5 \times 10^{-2} \text{ m}$ | $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 $\frac{1}{2}$ | 3 |
| 33 | (a) भूसंपक्क तार विद्युत धारा यह सुनिश्चित करता है कि साधित्र के धात्विक आवरण में विद्युत धारा का कोई क्षरण होने पर उस साधित्र का विभव भूमि के विभव के बराबर हो जाएगा। फलस्वरूप इस साधित्र को उपयोग करने वाला व्यक्ति तीव्र विद्युत आघात से सुरक्षित बचा रहता है। (b)(i) विद्युत प्रूज का उपयोग (ii) एक ही सॉकेट से बहुत से विद्युत साधित्रों को संयोलित नहीं करना चाहिए। | 2 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ | 3 |
| | खण्ड घ | | |
| 34 | (A)(a) • यौगिकों की ऐसी श्रंखला जिसमें कार्बन श्रंखला में स्थित हाइड्रोजन को एक ही प्रकार का प्रकार्यात्मक समूह प्रतिस्थापित करता है। | 1 | |



सोडियम इथेनोएट/सोडियम

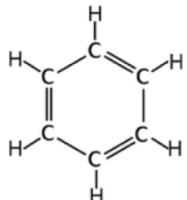
एसीटेट

अम्ल

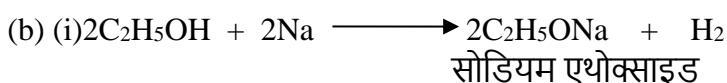
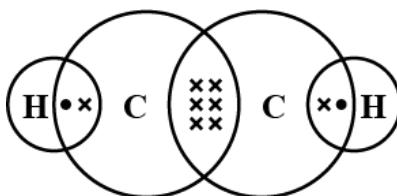
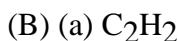


एस्टर/इथाइल एथेनोएट

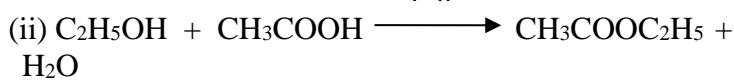
(c)



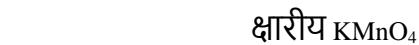
अथवा



अम्ल



एस्टर/इथाइल एथेनोएट



ऊष्मा

ईथेनोइक अम्ल

35

(A) (a)(i) अवटुग्रंथि को थायरॉक्सिन हॉर्मोन बनाने के लिए आयोडीन आवश्यक है। यदि हमारे आहार में आयोडीन की कमी है तो यह सम्भावना है कि हम गॉयटर से ग्रसित हो सकते हैं।

(ii) वृद्धि हॉर्मोन की कमी बौनापन का कारण बनता है।

(iii) यौवनारंभ में नर में टेस्टोस्टेरोन का सावण होता है।

(b) • हॉर्मोन या रासायनिक यौगिक संभावित रूप से शरीर की सभी

1

1

1

1

1

1

1

5

1

1

1

1

- विविध हॉर्मोन वृद्धि, विकास तथा पर्यावरण के प्रति अनुक्रिया के समन्वय में सहायता करते हैं।

अथवा

(B) (a)

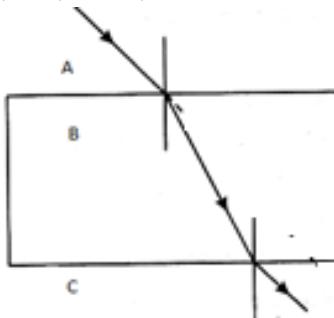
| ऐच्छिक क्रिया | अनैच्छिक क्रिया |
|----------------------------------|---|
| सोच शामिल है | इसमें सोचना शामिल नहीं है |
| अग्रमस्तिष्ठ द्वारा नियंत्रित | पश्चमस्तिष्ठ द्वारा नियंत्रित |
| यह हमारी इच्छा के अनुसार होता है | यह हमारी इच्छा के अनुसार नहीं होता है (अन्य कोई) |

- (b) • **प्रतिवर्ती क्रिया:** पर्यावरण में किसी घटना की अनुक्रियाके फलस्वरूप अचानक हुई क्रिया।
- **उद्धीपन** → ग्राही → संवेदी तंत्रिका कोशिका → मेरुरज्जु/मस्तिष्ठ
- ↓
- कार्यकर पेशी/ग्रंथि ← प्रेरक तंत्रिका कोशिका

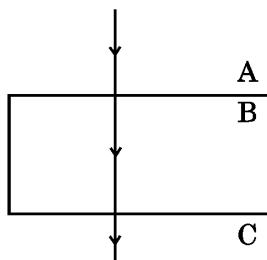
36

- (A) (a) (i) प्रकाश कि चाल A और B में बराबर है जबकि C में प्रकाश कि चाल A और B से ज्यादा है।
- (ii) प्रकाशिक घनत्व A और B का बराबर है जबकि C का प्रकाशिक घनत्व A और B से कम है।
- प्रकाश किरण A से B में सीधी जा रही है जबकि B से C जाते हुए अभिलम्ब से दूर जा रही है। अर्थात् प्रकाशिक घनत्व A और B का बराबर है जबकि C का प्रकाशिक घनत्व A और B से कम है।

(b) (i) तिर्यकत आपतन



(ii) अभिलम्बवत आपतन



1

1+1

1

2

5

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

1

1

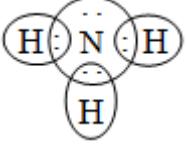
1

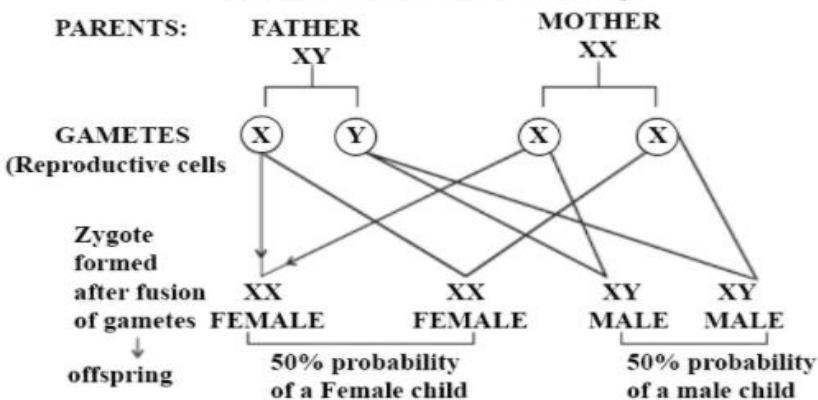
(B) (a) $2f = 40 \text{ cm}$
 $\Rightarrow f = 20 \text{ cm}$

कारण : जब किसी वस्तु को उत्तल लेंस के $2f$ (-40 cm) पर रखते हैं तो वास्तविक प्रतिबिम्ब उसके $2f$ ($+40 \text{ cm}$) पर ही बनता है

(b) $m = \frac{v}{u} = \frac{+60 \text{ cm}}{-30 \text{ cm}} = -2$

- (c) प्रेक्षण संख्या 1- प्रतिबिम्ब आभासी और सीधा होगा
 प्रेक्षण संख्या 2 - प्रतिबिम्ब वास्तविक और उलटा होगा

| | | | |
|----|--|---|---|
| | खण्ड ढ़ | | |
| 37 | <p>(a) यह दो इलेक्ट्रॉन को धारण या साझेदारी करके निकटतम उत्कृष्ट गैस विन्यास को प्राप्त करेगा</p> <p>(b) एकल सहसंयोजी आबंधों की संख्या - 10 द्वि सहसंयोजी आबंधों की संख्या - 1</p> <p>(c) (A)</p>  | 1 | |
| | अथवा | 2 | |
| | <p>(B) कार्बन को अपना अष्टक पूरा करने के लिए चार इलेक्ट्रॉन प्राप्त करने या खोने के आवश्यकता होती है जिसके लिए बहुत अधिक ऊर्जा कि आवश्यकता होती है।</p> <p>(i) ये चार इलेक्ट्रॉन प्राप्त कर C^{4-} ऋणायन बना सकता है, लेकिन छः प्रोटॉन वाले नाभिक के लिए दस इलेक्ट्रॉन अर्थात् चार अतिरिक्त इलेक्ट्रॉन धारण करना मुश्किल हो सकता है।</p> <p>(ii) ये चार इलेक्ट्रॉन खोकर C^{4+} धनायन बना सकता है, लेकिन चार इलेक्ट्रॉनों को खोकर छः प्रोटॉन वाले नाभिक में केवल दो इलेक्ट्रॉनों का कार्बन धनायन बनाने के लिए अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी।</p> | 2 | 4 |
| 38 | <p>(a) गुणसूत्र में ऐसे जीन होते हैं जो किसी जीव के लक्षणों को नियंत्रित करते हैं। / गुणसूत्र में माता-पिता से अगली पीढ़ी तक विशेषताओं की जानकारी के सूचना स्त्रोत डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल) अणु के रूप में होते हैं।</p> <p>(b) नर में एक गुणसूत्र सामान्य आकार का X होता है तथा दूसरा गुणसूत्र छोटा होता है जिसे Y गुणसूत्र कहते हैं।</p> <p>(c) (A)</p> | 1 | |



2

अथवा

- (B) • कुछ सरीसृप में लिंग निर्धारण निषेचित अंडे (युग्मक) के ऊष्मायन ताप पर निर्भर करता है कि संतति नर होगी या मादा।
- घोंघे जैसे कुछ प्राणी अपना लिंग बदल सकते हैं जो इस बात का संकेत है कि इनमें लिंग निर्धारण आनुवंशिक नहीं है।

1

1

4

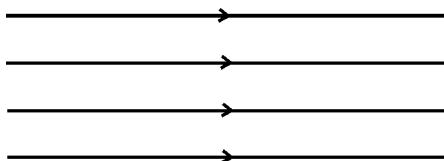
- 39 (a) किसी चुम्बकीय क्षेत्र की दिशा वह मानी जाती है, जिसके अनुदिश दिक्सूची का उत्तर ध्रुव उस क्षेत्र के भीतर गमन करता है।
- (b) जहाँ पर चुम्बकीय क्षेत्र की रेखाएँ अपेक्षाकृत अधिक निकट होती हैं वहाँ चुम्बकीय क्षेत्र अत्यधिक प्रबल होता है।
- (c) (A)
(i) इसका यह अर्थ होगा कि प्रतिच्छेद बिंदु पर दिक्सूची को रखने पर उसकी सुई दो दिशाओं की ओर संकेत करेगी, जो संभव नहीं हो सकता।

1

1

1+1

(ii)

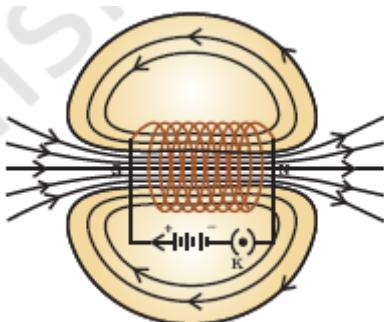


समदूरस्थ समानांतर रेखाएँ

(यदि परिनालिका में चुम्बकीय क्षेत्र दर्शाया जाये तो अंक दिए जायें)

अथवा

(B)•



- एकसमान चुम्बकीय क्षेत्र

1

1

4

पूरी तरह से गोपनीय
(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)
माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2025

विषय का नाम: विज्ञान

विषय कोड: 086

पेपर कोड: 31/5/2

सामान्य निर्देश: -

| | |
|----|--|
| 1 | आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें। |
| 2 | "मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा प्रणाली पटरी से उत्तर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कर्तवाई को आमंत्रित कर सकता है।" |
| 3 | मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं, अन्यथा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा-X में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए। |
| 4 | अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए। |
| 5 | प्रधान-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं का अध्ययन करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है। |
| 6 | जहां भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (✓) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस 'X' अंकित किया जाए। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही (✓) नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं। |
| 7 | यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी और अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जा सकता है। |
| 8 | यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जा सकता है। |
| 9 | यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है, तो अधिक अंकों के योग प्रश्न का उत्तर बरकरार रखा जाना चाहिए और दूसरे उत्तर को "अतिरिक्त प्रश्न" नोट के साथ काट दिया जाना चाहिए। |
| 10 | किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए। |
| 11 | बिंदु का एक पूर्ण स्कैन 80 (उदाहरण 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का उपयोग करना होगा। यदि यह उपयुक्त है तो कृपया आर्डिनरी में प्रवेश न लें। |
| 12 | प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट गाइडलाइन्स में दिया गया है)। |
| 13 | सुनिश्चित करें कि आप अतीत में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। |

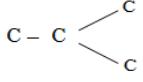
| | |
|----|---|
| | <ul style="list-style-type: none"> • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • शीर्षक पृष्ठ पर दो काँलमों के अंकों का गलत योग। • गलत योग। • शब्दों और अंकों में अंकित चिह्न मेल नहीं खाते/समान नहीं। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन पुरस्कार सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। (सुनिश्चित करें कि सही टिक मार्क सही और स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए एक्स के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया। |
| 14 | उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए। |
| 15 | किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए। |
| 16 | परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले "स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए। |
| 17 | प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है। |
| 18 | उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए। |

अंकन योजना

कक्षा: दसवीं वैज्ञान (विषय कोड-086)

[पेपर कोड: 31/5/2]

अधिकतम अंक: 80

| प्र. सं | अपेक्षित उत्तर/मूल्य अंक | अंक | कुल अंक |
|---------|---|--|---------|
| | खण्ड क | | |
| 1 | (B) / $C - C - C - C$;  | 1 | 1 |
| 2 | (A) / अशुद्ध कॉपर, शुद्ध कॉपर, अम्लीकृत कॉपर सलफेट विलयन | 1 | 1 |
| 3 | (B) / रोगाणुनाशक | 1 | 1 |
| 4 | (D) / 2, 2, 4, 1 | 1 | 1 |
| 5 | (C) / (i) और (ii) | 1 | 1 |
| 6 | (C) / जिंक और हाइड्रोजन | 1 | 1 |
| 7 | (D) / जिंक | 1 | 1 |
| 8 | (B) / भूख लगना | 1 | 1 |
| 9 | (B) / (iii), (ii), (iv), (i), (v) | 1 | 1 |
| 10 | (B) / साइटोकार्डिनिन और एब्सिसिक अम्ल | 1 | 1 |
| 11 | (C) / खण्डन और पुनर्जनन | 1 | 1 |
| 12 | (B) / ध्रुव और फोकस के बीच हो | 1 | 1 |
| 13 | (D) / कोसिकाद्रव्य और माइटोकॉन्फ्रिया में | 1 | 1 |
| 14 | (B) / अभिनेत्र लेंस की फोकस दूरी में वृद्धि हो जाना | 1 | 1 |
| 15 | (B) / प्रयोज्य (प्रयोग करके फंके जाने वाले) और पीने के बर्तनों का अधिकतम उपयोग करना। | 1 | 1 |
| 16 | (C) / झीलें और बगीचा | 1 | 1 |
| 17 | (B) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। | 1 | 1 |
| 18 | (D) / अभिकथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है। | 1 | 1 |
| 19 | (A) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। | 1 | 1 |
| 20 | (C) / अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है। | 1 | 1 |
| | खण्ड ख | | |
| 21 | (a) ओजोन (O_3) क्लोरोफ्लुओरो कार्बन (CFCs) जैसे रसायनों का अत्यधिक उपयोग / Freons (b) उच्च ऊर्जा वाले पराबैंगनी विकिरण ऑक्सीजन अणउ (O ₂) को विघटित कर स्वतंत्र ऑक्सीजन (O) परमाणु बनाते हैं। ऑक्सीजन के ये स्वतंत्र परमाणु संयक्तु होकर ओजोन बनाते हैं। <div style="background-color: #e0e0e0; padding: 10px; margin-top: 10px;"> $O_2 \xrightarrow{UV} O + O$ $O + O_2 \rightarrow O_3 \quad (\text{Ozone})$ </div> | $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ 1 2 | |

$$R = R_1 + R_2 + R_3 = 12 \Omega$$

बैटरी का विभवान्तर = 6 V

$$\therefore I = \frac{V}{R} = \frac{6}{12} = 0.5 \text{ A}$$

$\therefore 6 \Omega$ प्रतिरोध के सिरों के बीच विभवान्तर = $0.5 \text{ A} \times 6 \Omega = 3.0 \text{ V}$

अथवा

$$(B) P_1 = I^2 R$$

$P_2 = (2I)^2 R = 4I^2 R$ [प्रवाहित धारा में 100% वृद्धि का अर्थ है $2I$]

$$\therefore \text{शक्ति क्षय में वृद्धि} = P_2 - P_1 = 4I^2 R - I^2 R = 3I^2 R$$

$$= 3P_1$$

$$\text{शक्ति क्षय के प्रतिशत में वृद्धि} = \frac{3P_1}{P_1} \times 100 = 300\%$$

23

(a) प्रकाशिक घनत्व X का वायु से अधिक है क्योंकि प्रकाश किरण अभिलम्ब की ओर झुक रही है।

(b) माध्यम X में प्रकाश की चाल वायु में प्रकाश की चाल से कम है क्योंकि प्रकाशिक घनत्व X का वायु से अधिक है।

1/2

1

1/2

2

24

(A) • केशिकाओं की भित्ति छिद्रों द्वारा कुछ प्लाज्मा, प्रोटीन तथा रुधिर कोशिकाएँ निकलकर ऊतक के अंतक्रोशिकीय अवकाश में आ जाते हैं तथा ऊतक तरल या लसिका का निर्माण करते हैं।

- पचा हुआ तथा श्रुद्रंत्र अवशोधित वसा का वहन लसिका द्वारा होता है और अतिरिक्त तरल को बाह्य कोशिकीय अवकाश से वापस रुधिर में ले जाता है।

अथवा

(B) (a) X- बोमन संपुट

कार्य: निस्पंद एकत्र करता है

(b) जल की मात्रा पुनरवशोषण शरीर में उपलब्ध अतिरिक्त जल की मात्रा पर, तथा कितना विलेय वर्ज्य उत्सर्जित करना है, पर निर्भर करता है।

1

1

1/2

1/2

1

2

25

(a) शुक्राणु उत्पादन के नियंत्रण के अतिरिक्त टेस्टोस्टेरॉन लड़कों में यौवनावस्था के लक्षणों का भी नियंत्रण करता है।

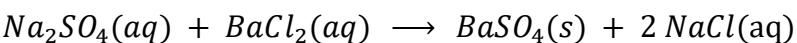
(b) शुक्राणु का स्थानांतरण सरलता से होता है साथ ही यह स्राव उन्हें पोषण भी प्रदान करता है।

1

1

2

26



(i) द्वि विस्थापन अभिक्रिया

(ii) अवक्षेपण अभिक्रिया

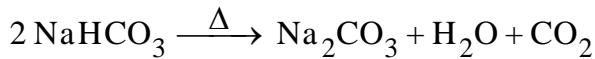
1

1/2+1/2

2

| | | | |
|----|--|---|---|
| 27 | <ul style="list-style-type: none"> जब विद्युत् युग्म तार तथा उदासीन तार दोनों साथ से पकड़ में आते हैं तो अतिभारण हो सकता है। जब तारों का विद्युत् रोधन क्षतिग्रस्त हो जाता है अथवा साधित्र में कोई दोष होता है। परिपथ में विद्युत धारा अक्षय स्मात बहुत अधिक होने से प्लॉज पिघल जायेगा और परिपथ टूट जायेगा। | 1 1/2 + 1/2 1 | 3 |
| 28 | $r=0.01 \text{ cm} = 0.01 \times 10^{-2} \text{ m}$, $R=7 \text{ ohm}$ $\rho=44 \times 10^{-6} \Omega \text{ m}$ $A=\pi r^2$ $R = \rho \frac{l}{A} \Rightarrow l = \frac{R \times A}{\rho}$ $l = \frac{7 \Omega \times (0.01 \times 10^{-2})^2 \times \frac{22}{7} \Omega \text{ m}^2}{44 \times 10^{-6} \Omega \text{ m}}$ $l = 0.5 \times 10^{-2} \text{ m}$ | 1/2 1/2 1 1/2 | 3 |
| 29 | <p>(a) अवतल लेंस</p> $P = \frac{1}{f(m)} \Rightarrow f = \frac{1}{-0.25} \Rightarrow f = -4 \text{ m}$ <p>(b) निकट द्रष्टि दोष</p> <p>(c) आभासी, सीधा, अधिक छोटा</p> | 1/2 1/2 1 1/2 + 1/2 | 3 |
| 30 | <p>(A)</p> <p>A: धातु M पर आंशिक रूप से जंग लगेगा</p> <p>तेल के बाहर धातु M का हिस्सा संक्षारणित हो जाएगा जबकि तेल के अंदर धातु M का हिस्सा संक्षारण नहीं करेगा क्योंकि यह नम हवा के सम्पर्क में नहीं है।</p> <p>B: धातु M पर जंग नहीं लगेगा</p> <p>यह तेल के अंदर है और नम हवा के सम्पर्क में नहीं आता है।</p> <p>C: धातु M पर जंग नहीं लगेगा</p> <p>परखनली C की धातु M शुषक वायु के सम्पर्क में रहती है।</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>(B) (a) $Al = 2, 8, 3$</p> <p>$N = 2, 5$</p> <p></p> <p>(b) धन एवं ऋण आयनों के बीच मजबूत आकर्षण बल के कारण आयनिक यौगिक ठोस एवं थोड़े कठोर होते हैं।</p> | 1/2 + 1/2 1/2 + 1/2 1/2 + 1/2 2 1 | 3 |

• बेकिंग सोडा को गर्म करके सोडियम कार्बोनेट प्राप्त किया जा सकता है और सोडियम कार्बोनेट के पुनः क्रिस्टलीकरण से धोने का सोडा प्राप्त होता है। /



• उपयोग:

- (i) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग काँच, साबुन एवं कागज़ उद्योगों में होता है।
- (ii) इसका उपयोग बोरेक्स जैसे सोडियम यौगिक के उत्पादन में होता है।
- (iii) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग घरों में साफ़-सफाई के लिए होता है।
- (iv) जल की स्थायी कठोरता को हटाने के लिए इसका उपयोग होता है।

(कोई दो)

1

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

3

32

| युग्मक | युग्मनज |
|---|---|
| (i) जनन कोशिकाएँ | (i) नर और मादा युग्मक के संलयन से बनता है |
| (ii) गैर-प्रजनन कोशिकाओं की तुलना में इनमें गुणसूत्रों की संख्या आधी (एक सेट) और डीएनए की मात्रा आधी होती है /Haploid(n) | (ii) इनमें गुणसूत्रों के 2 सेट होते हैं। / Diploid(2n) |

2

महत्व: अगली पीढ़ी में गुणसूत्रों की संख्या और डीएनए सामग्री को बहाल करने के लिए यौन प्रजनन के लिए युग्मक गठन की आवश्यकता होती है।

युग्मनज : यह बढ़ता है और एक नए जीव में विकसित होता है जिसमें माता-पिता के समान ही डीएनए होता है

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

3

33

- (a) जल में विलेय ऑक्सीजन की मात्रा वायु में ऑक्सीजन की मात्रा की तुलना में बहुत कम है।
- (b) कंठ में उपास्थि के वलय यह सनिश्चित करता है कि वायु मार्ग निपतित न हो।
- (c) पेशी कोशिकाओं में ऑक्सीजन का अभाव

1

1

1

3

(A) (a) प्रकाश कि चाल A और B में बराबर है जबकि C में प्रकाश कि चाल A और B से ज्यादा है।

 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

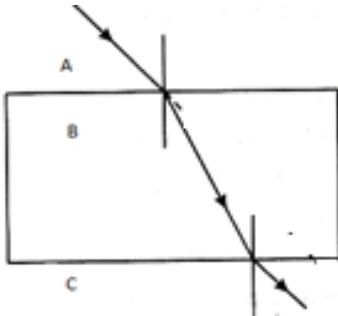
(ii) प्रकाशिक घनत्व A और B का बराबर है जबकि C का प्रकाशिक घनत्व A और B से कम है।

 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

प्रकाश किरण A से B में सीधी जा रही है जबकि B से C जाते हुए अभिलम्ब से दूर जा रही है। अर्थात् प्रकाशिक घनत्व A और B का बराबर है जबकि C का प्रकाशिक घनत्व A और B से कम है।

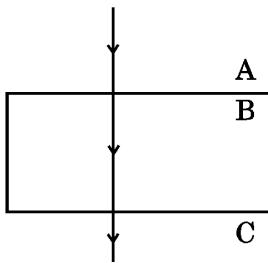
1

(b) (i) तिर्यक्त आपतन



1

(ii) अभिलम्बवत आपतन



1

अथवा

$$(B) (a) 2f = 40 \text{ cm}$$

1

$$\Rightarrow f = 20 \text{ cm}$$

1

कारण : जब किसी वस्तु को उत्तल लेंस के $2f$ (-40 cm) पर रखते हैं तो वास्तविक प्रतिबिम्ब उसके $2f$ ($+40 \text{ cm}$) पर ही बनता है

1

$$(b) m = \frac{v}{u} = \frac{+60 \text{ cm}}{-30 \text{ cm}} = -2$$

1

(c) प्रेक्षण संख्या 1- प्रतिबिम्ब आभासी और सीधा होगा

1

प्रेक्षण संख्या 2 - प्रतिबिम्ब वास्तविक और उलटा होगा

1

5

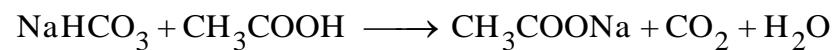
(a) यागका का एसा श्रृंखला जिसम कार्बन श्रृंखला म स्थित हाइड्रोजन को एक ही प्रकार का प्रकार्यात्मक समूह प्रतिस्थापित करता है, उसे समजातीयशणी कहते हैं। /

समान सामान्य सूत्र और समान रासायनिक गुणों वाले कार्बन यौगिक का अनुक्रम।

• HCHO , CH_3CHO , $\text{C}_2\text{H}_5\text{CHO}$ (कोई दो)

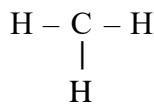
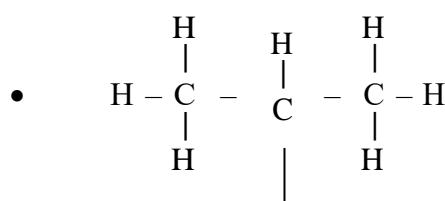
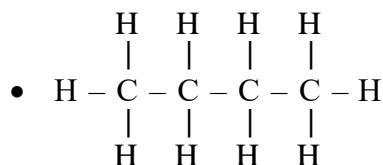
(b) • एक परखनली में अज्ञात विलयन में एक स्पैचुला भर NaHCO_3 / Na_2CO_3 डालें ओर उसे अच्छे से हिलायें

• यदि रंगहीन उत्पन्न गैस (CO_2) है तो विलयन कार्बोक्सिलक अम्ल है अन्यथा अल्कोहल है।



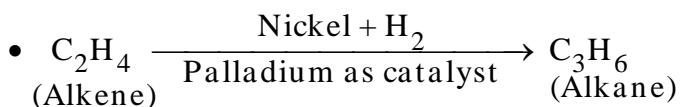
अथवा

(B) (a) • समान आणविक सूत्र, लेकिन विभिन्न संरचनाओं वाले ऐसे कार्बन यौगिक संरचनात्मक समावयन कहलाते हैं।



(b) • कार्बन यौगिक $\text{X} - \text{C}_2\text{H}_4$ संकलन अभिक्रिया दिखाएगा

• X असंतृप्त हाइड्रोकार्बन है / द्विआबंध कहते हैं



• वनस्पति तेलों के हाइड्रोजनीकरण में (Vegetable ghee industry)

36

(A) (a)(i) अवटुग्रंथि को थायरॉक्सिन हॉर्मोन बनाने के लिए आयोडीन आवश्यक है। यदि हमारे आहार में आयोडीन की कमी है तो यह सम्भावना है कि हम गॉयटर से ग्रसित हो सकते हैं।

1

1

1

1

1

1

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

1

$\frac{1}{2}$

1

$\frac{1}{2}$

5

1



(iii) यौवनारंभ में नर में टेस्टोस्टेरोन का स्रावण होता है।

- (b) • हॉमर्मन या रासायनिक यौगिक संभावित रूप से शरीर की सभी कोशिकाओं तक लगातार पहुँच सकते हैं।
• विविध हॉमर्मन वृद्धि, विकास तथा पर्यावरण के प्रति अनुक्रिया के समन्वय में सहायता करते हैं।

अथवा

(B) (a)

| ऐच्छिक क्रिया | अनैच्छिक क्रिया |
|----------------------------------|---|
| सोच शामिल है | इसमें सोचना शामिल नहीं है |
| अग्रमस्तिष्ठक द्वारा नियंत्रित | पश्चमस्तिष्ठक द्वारा नियंत्रित |
| यह हमारी इच्छा के अनुसार होता है | यह हमारी इच्छा के अनुसार नहीं होता है (अन्य कोई) |

(b) • प्रतिवर्ती क्रिया: पर्यावरण में किसी घटना की अनुक्रियाके फलस्वरूप अचानक हुई क्रिया।

• उद्धीपन → ग्राही → संवेदी तंत्रिका कोशिका → मेरुरज्जु/मस्तिष्ठक



कार्यकर पेशी / ग्रंथि ← प्रेरक तंत्रिका
कोशिका

5

खण्ड इ

37

- (a) किसी चुंबकीय क्षेत्र की दिशा वह मानी जाती है, जिसके अनुदिश दिक्सूची का उत्तर ध्रुव उस क्षेत्र के भीतर गमन करता है।
(b) जहाँ पर चुम्बकीय क्षेत्र की रेखाएँ अपेक्षाकृत अधिक निकट होती हैं वहाँ चुम्बकीय क्षेत्र अत्यधिक प्रबल होता है।
(c) (A)
(i) इसका यह अर्थ होगा कि प्रतिच्छेद बिंदु पर दिक्सूची को रखने पर उसकी सुई दो दिशाओं की ओर संकेत करेगी, जो संभव नहीं हो सकता।

1

1

1

1+1

1

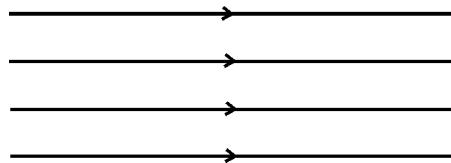
2

5

1

1

1



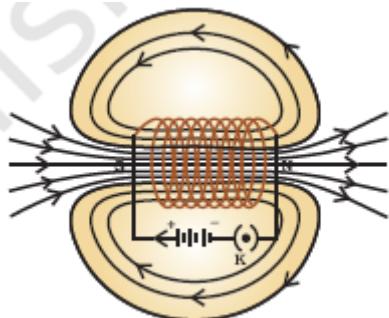
1

समदूरस्थ समानांतर रेखाएँ

(यदि परिनालिका में चुंबकीय क्षेत्र दर्शाया जाये तो अंक दिए जाये)

अथवा

(B)•



1

4

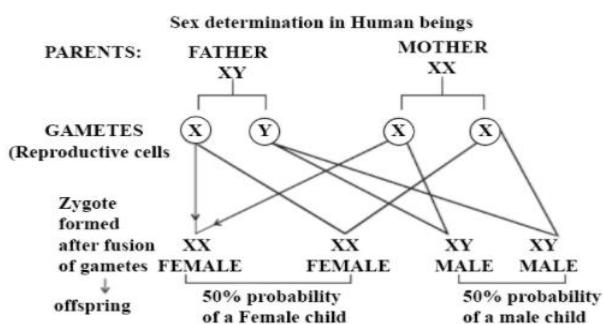
- एक समान चुंबकीय क्षेत्र

38

(a) गुणसूत्र में ऐसे जीन होते हैं जो किसी जीव के लक्षणों को नियंत्रित करते हैं। / गुणसूत्र में माता-पिता से अगली पीढ़ी तक विशेषताओं की जानकारी के सूचना स्लोट डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल) अणु के रूप में होते हैं।

(b) नर में एक गुणसूत्र सामान्य आकार का X होता है तथा दूसरा गुणसूत्र छोटा होता है जिसे Y गुणसूत्र कहते हैं।

(c) (A)



1

1

2

अथवा

(B) • कुछ सरीसृप में लिंग निर्धारण निषेचित अंडे (युग्मक) के उत्पायन ताप पर निर्भर करता है कि संतति नर होगी या मादा।

• घोंघे जैसे कुछ प्राणी अपना लिंग बदल सकते हैं जो इस बात का संकेत हैं कि इनमें लिंग निर्धारण आनुवंशिक नहीं है।

1

4

39

(a) यह दो इलेक्ट्रान को धारण या साझेदारी करके निकटतम उत्कृष्ट गैस विन्यास को प्राप्त करेगा

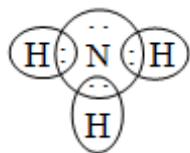
(b) एकल सहसंयोजी आबंधों की संख्या - 10

द्वि सहसंयोजी आबंधों की संख्या - 1

1

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

(c) (A)



2

अथवा

(B) कार्बन को अपना अष्टक पूरा करने के लिए चार इलेक्ट्रॉन प्राप्त करने या खोने के आवश्यकता होती है जिसके लिए बहुत अधिक ऊर्जा कि आवश्यकता होती है। /

2

(i) ये चार इलेक्ट्रॉन प्राप्त कर C4- ऋणायन बना सकता है, लेकिन छः प्रोटॉन वाले नाभिक के लिए दस इलेक्ट्रॉन अर्थात् चार अतिरिक्त इलेक्ट्रॉन धारण करना मुश्किल हो सकता है।

4

(ii) ये चार इलेक्ट्रॉन खोकर C4+ धनायन बना सकता है, लेकिन चार इलेक्ट्रॉनों को खोकर छः प्रोटॉन वाले नाभिक में केवल दो इलेक्ट्रॉनों का कार्बन धनायन बनाने के लिए अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी।



पूरी तरह से गोपनीय
(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)
माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2025

विषय का नाम: विज्ञान

विषय कोड: 086

पेपर कोड: 31/5/3

सामान्य निर्देश: -

| | |
|----|--|
| 1 | आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें। |
| 2 | "मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा प्रणाली पटरी से उत्तर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कर्तवाई को आमंत्रित कर सकता है।" |
| 3 | मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं, अन्यथा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा-X में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए। |
| 4 | अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिंदु हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए। |
| 5 | प्रधान-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं का अध्ययन करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है। |
| 6 | जहां भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (✓) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस 'X' अंकित किया जाए। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही (✓) नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं। |
| 7 | यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी और अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जा सकता है। |
| 8 | यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जा सकता है। |
| 9 | यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है, तो अधिक अंकों के योग प्रश्न का उत्तर बरकरार रखा जाना चाहिए और दूसरे उत्तर को "अतिरिक्त प्रश्न" नोट के साथ काट दिया जाना चाहिए। |
| 10 | किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए। |
| 11 | बिंदु का एक पूर्ण स्कैन 80 (उदाहरण 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का उपयोग करना होगा। यदि यह उपयुक्त है तो कृपया आर्डिनरी में प्रवेश न लें। |
| 12 | प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट गाइडलाइन्स में दिया गया है)। |
| 13 | सुनिश्चित करें कि आप अतीत में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- किसी उत्तर के लिए दिए गए अंक से अधिक अंक देना। |

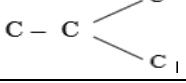
| | |
|----|---|
| | <ul style="list-style-type: none"> • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। शीर्षक पृष्ठ पर गलत प्रश्नवार योग। • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • शीर्षक पृष्ठ पर दो काँलमों के अंकों का गलत योग। • गलत योग। • शब्दों और अंकों में अंकित चिह्न मेल नहीं खाते/समान नहीं। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन पुरस्कार सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। (सुनिश्चित करें कि सही टिक मार्क सही और स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए एक्स के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया। |
| 14 | उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए। |
| 15 | किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए। |
| 16 | परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले "स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए। |
| 17 | प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है। |
| 18 | उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया जाए। |

अंकन योजना

कक्षा: दसवीं वज्ञान (विषय कोड-086)

[पेपर कोड : 31/5/3]

अधिकतम अंक: 80

| प्र. सं | अपेक्षित उत्तर/मूल्य अंक | अंक | कुल अंक |
|---------|--|---|---------|
| | खण्ड क | | |
| 1 | (A) / अशुद्ध कॉपर, शुद्ध कॉपर, अम्लीकृत कॉपर सल्फेट विलयन | 1 | 1 |
| 2 | (B) / C – C – C – C ;  | 1 | 1 |
| 3 | (D) / 2, 2, 4, 1 | 1 | 1 |
| 4 | (C) / जिंक और हाइड्रोजन | 1 | 1 |
| 5 | (A) / कार्बन डाइऑक्साइड | 1 | 1 |
| 6 | (D) / जिंक | 1 | 1 |
| 7 | (C) / (i) और (ii) | 1 | 1 |
| 8 | (D) / कोसिकाद्रव्य और माइटोकॉन्फ्रिया में | 1 | 1 |
| 9 | (B) / साइटोकाईनिन और एब्सिसिक अम्ल | 1 | 1 |
| 10 | (C) / खण्डन और पुनर्जनन | 1 | 1 |
| 11 | (B) / भूख लगना | 1 | 1 |
| 12 | (B) / (iii), (ii), (iv), (i), (v) | 1 | 1 |
| 13 | (B) / प्रयोज्य (प्रयोग करके फंके जाने वाले) और पीने के बर्तनों का अधिकतम उपयोग करना। | 1 | 1 |
| 14 | (C) / झीलें और बगीचा | 1 | 1 |
| 15 | (C) / b और e | 1 | 1 |
| 16 | (B) / ध्रुव और फोकस के बीच हो | 1 | 1 |
| 17 | (D) / अभिकथन (A) गलत है, परन्तु कारण (R) सही है। | 1 | 1 |
| 18 | (C) / अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है। | 1 | 1 |
| 19 | (B) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। | 1 | 1 |
| 20 | (A) / अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। | 1 | 1 |
| | खण्ड ख | | |
| 21 | (a) उत्तल दर्पण (b) धनात्मक तथा 1 से कम (c) + 40 cm अथवा 40 cm | $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ | 2 |

आता है

$$\text{अर्थात् } R_s = 5 \times \frac{1}{5} \Omega = 1 \Omega$$

जब हम प्रतिरोधों को पार्श्वक्रम में संयोगित करते हैं तो प्रतिरोध निम्नतम आता है

$$\frac{1}{R_p} = \frac{1}{\frac{1}{5}\Omega} + \frac{1}{\frac{1}{5}\Omega} + \frac{1}{\frac{1}{5}\Omega} + \frac{1}{\frac{1}{5}\Omega} + \frac{1}{\frac{1}{5}\Omega}$$

$$\frac{1}{R_p} = (5 + 5 + 5 + 5 + 5)$$

$$\therefore R_p = \frac{1}{25} \Omega$$

अथवा

(B) ऊर्ध्वा , H = 100 J

$$R = 4 \Omega$$

$$t = 1s$$

$$H = \frac{V^2 t}{R}$$

$$\Rightarrow V = \sqrt{\frac{HR}{t}} = \sqrt{\frac{400}{1}} = 20 \text{ V}$$

1

1

$\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

2

23

(a) शुक्राणु उत्पादन के नियंत्रण के अतिरिक्त टेस्टोस्टेरॉन लड़कों में यौवनावस्था के लक्षणों का भी नियंत्रण करता है।

1

(b) शुक्राणु का स्थानांतरण सरलता से होता है साथ ही यह स्राव उन्हें पोषण भी प्रदान करता है।

1

2

24

(A) • केशिकाओं की भित्ति छिद्रों द्वारा कुछ प्लाज्मा, प्रोटीन तथा रुधिर कोशिकाएँ निकलकर ऊतक के अंतक्रोशिकीय अवकाश में आ जाते हैं तथा ऊतक तरल या लसिका का निर्माण करते हैं।

1

- पचा हुआ तथा श्रुद्रंत्र अवशोधित वसा का वहन लसिका द्वारा होता है और अतिरिक्त तरल को बाह्य कोशिकीय अवकाश से वापस रुधिर में ले जाता है।

1

अथवा

(B) (a) X- बोमन संपुट

$\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

कार्य: निस्पंद एकत्र करता है

(b) जल की मात्रा पुनरवशोषण शरीर में उपलब्ध अतिरिक्त जल की मात्रा पर, तथा कितना विलेय वर्ज्य उत्सर्जित करना है, पर निर्भर करता है।

1

2

25

(a) घास \longrightarrow चूहा \longrightarrow बाज
घास \longrightarrow नवेला \longrightarrow बाज

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

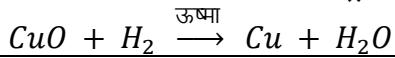
(b) बाज
जैविक आवर्धन

$\frac{1}{2}$

$\frac{1}{2}$

2

इस गरम CuO के उपर हाइड्रोजन गैस प्रवाहित की जाए /



1 2

खण्ड ग

| 27 | (a) | | | | | | | |
|--|---|-----------|----------|---------|--|---|--|--|
| | (i) धारा का परिमाण | | | | | | | |
| | (ii) चुंबकीय क्षेत्र की क्षमता | | | | | | | |
| | (iii) चुंबकीय क्षेत्र में चालक का उन्मुखीकरण | | | | | | | |
| | (iv) चालक की लंबाई | | | | | | | |
| | | (कोई तीन) | | | | | | |
| | (b) चालक में विस्थापन उस समय अधिकतम (अथवा चालक पर आरोपित बल का परिमाण उच्चतम) होता है, जब विद्युत धारा की दिशा चुम्बकीय क्षेत्र की दिशा के लंबवत होती है। | | | | | | | |
| | (c) फ्लैमिंग का वामहस्त नियम | | | | | | | |
| | विद्त मोटर, यु विद्त जयु नित्र, ध्वनि विस्तारक यंत्र, माइक्रोफोन तथा विद्त मयुपक यंत्र | | | | | | | |
| | | (कोई एक) | | | | | | |
| 28 | $r=0.01 \text{ cm} = 0.01 \times 10^{-2} \text{ m}$, $R= 7 \text{ ohm}$ | | | | | | | |
| | $\rho=44 \times 10^{-6} \Omega\text{m}$ | | | | | | | |
| | $A=\pi r^2$ | | | | | | | |
| | $R = \rho \frac{1}{A} \Rightarrow l = \frac{R \times A}{\rho}$ | | | | | | | |
| | $l = \frac{7\Omega \times (0.01 \times 10^{-2})^2 \times \frac{22}{7} \Omega \text{m}^2}{44 \times 10^{-6} \Omega \text{m}}$ | | | | | | | |
| | $l = 0.5 \times 10^{-2} \text{ m}$ | | | | | | | |
| 29 | (a) अवतल लेंस | | | | | | | |
| | $P = \frac{1}{f(m)} \Rightarrow f = \frac{1}{-0.25} \Rightarrow f = -4 \text{ m}$ | | | | | | | |
| | (b) निकट द्रष्टि दोष | | | | | | | |
| | (c) आभासी, सीधा, अधिक छोटा | | | | | | | |
| 30 | <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="text-align: center; padding: 5px;">स्वपरागण</th> <th style="text-align: center; padding: 5px;">परपरागण</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="padding: 5px;">परागकणों का यह स्थानांतरण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर होता है</td> <td style="padding: 5px;">एक पुष्प के परागकण दसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं</td> </tr> </tbody> </table> | | स्वपरागण | परपरागण | परागकणों का यह स्थानांतरण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर होता है | एक पुष्प के परागकण दसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं | | |
| स्वपरागण | परपरागण | | | | | | | |
| परागकणों का यह स्थानांतरण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर होता है | एक पुष्प के परागकण दसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं | | | | | | | |
| | <p>परपरागण बेहतर है क्योंकि इससे अधिक विविधताएं आती हैं जो समय के साथ प्रजातियों के अस्तित्व के लिए बेहतर हैं।</p> | | | | | | | |
| | <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="text-align: center; padding: 5px;">स्वपरागण</th> <th style="text-align: center; padding: 5px;">परपरागण</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="padding: 5px;">परागकणों का यह स्थानांतरण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर होता है</td> <td style="padding: 5px;">एक पुष्प के परागकण दसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं</td> </tr> </tbody> </table> | | स्वपरागण | परपरागण | परागकणों का यह स्थानांतरण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर होता है | एक पुष्प के परागकण दसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं | | |
| स्वपरागण | परपरागण | | | | | | | |
| परागकणों का यह स्थानांतरण उसी पुष्प के वर्तिकाग्र पर होता है | एक पुष्प के परागकण दसरे पुष्प के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं | | | | | | | |
| | <p>परपरागण बेहतर है क्योंकि इससे अधिक विविधताएं आती हैं जो समय के साथ प्रजातियों के अस्तित्व के लिए बेहतर हैं।</p> | | | | | | | |

| | | | | |
|----|--|-----------------------------|-----------------------------|--|
| | <p>CO_2 - रंध के माध्यम से वायुमंडल/वायु से</p> <p>H_2O - जड़ द्वारा अवशोषण के माध्यम से मिट्टी से</p> <p>प्रकाश - सूर्य से</p> | | $\frac{1}{2} \times 3$ | |
| 32 | <p>(A)</p> <p>A: धातु M पर आंशिक रूप से जंग लगेगा</p> <p>तेल के बाहर धातु M का हिस्सा संक्षारणित हो जाएगा जबकि तेल के अंदर धातु M का हिस्सा संक्षारण नहीं करेगा क्योंकि यह नम हवा के सम्पर्क में नहीं है।</p> <p>B: धातु M पर जंग नहीं लगेगा</p> <p>यह तेल के अंदर है और नम हवा के सम्पर्क में नहीं आता है।</p> <p>C: धातु M पर जंग नहीं लगेगा</p> <p>परखनली C की धातु M शुषक वायु के सम्पर्क में रहती है।</p> | | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ | |
| | अथवा | | | |
| | (B) (a) $\text{Al} = 2, 8, 3$ | | | |
| | $\text{N} = 2, 5$ | | 2 | |
| | (b) धन एवं ऋण आयनों के बीच मजबूत आकर्षण बल के कारण आयनिक यौगिक ठोस एवं थोड़े कठोर होते हैं। | 1 | 3 | |
| 33 | <ul style="list-style-type: none"> • $\text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$ <p>बेकिंग सोडा को गर्म करके सोडियम कार्बोनेट प्राप्त किया जा सकता है और सोडियम कार्बोनेट के पुनः क्रिस्टलीकरण से धोने का सोडा प्राप्त होता है। / $2 \text{NaHCO}_3 \xrightarrow{\Delta} \text{Na}_2\text{CO}_3 + \text{H}_2\text{O} + \text{CO}_2$</p> <p>$\text{Na}_2\text{CO}_3 + 10 \text{H}_2\text{O} \longrightarrow \text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10 \text{H}_2\text{O}$</p> | 1 | 1 | |
| | उपयोग: | | | |
| | <p>(i) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग काँच, साबुन एवं कागज़ उद्योगों में होता है।</p> <p>(ii) इसका उपयोग बोरेक्स जैसे सोडियम यौगिक के उत्पादन में होता है।</p> <p>(iii) सोडियम कार्बोनेट का उपयोग घरों में साफ़-सफाई के लिए होता है।</p> <p>(iv) जल की स्थायी कठोरता को हटाने के लिए इसका उपयोग होता है। (कोई दो)</p> | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ | 3 | |

| | | |
|----|---|--|
| 34 | <p>(A) (a) प्रकार्यात्मक समूह : यौगिकों में हाइड्रोजन को प्रतिस्थापित करने वाले तत्वों को विषम परमाण कहते हैं यह विषम परमाणु और वे प्रकार्यात्मक समूह जिनमें यह उपस्थित होते हैं, यौगिकों को विशिष्ट गुण प्रदान करते हैं।</p> <p>(i) प्रोपेनॉल में मौजूद प्रकार्यात्मक समूह – OH/ Alcohol</p> <p>(ii) प्रोपेनॉन में मौजूद प्रकार्यात्मक समूह – C – / Ketone</p> <p>(b) (i) निर्जलीकरण</p> $\text{C}_2\text{H}_5\text{OH} \xrightarrow[\text{(ethanol)}]{\substack{\text{443 K} \\ \text{Conc. H}_2\text{SO}_4 \\ (\text{excess})}} \text{C}_2\text{H}_4 + \text{H}_2\text{O}$ <p>(ii) ऑक्सीकरण</p> $\text{C}_2\text{H}_5\text{OH} \xrightarrow[\text{heat}]{\text{Alkaline KMnO}_4} \text{CH}_3\text{COOH}$ <p>Ethanoic Acid</p> <p>अथवा</p> <p>(B) (a) बेंजीन और साइक्लोहेक्सेन</p> <p>(अन्य कोई)</p> <p>बेंजीन</p> <p>साइक्लोहेक्सेन</p> <p>(कोई एक)</p> <p>(b) • साबनु के अणु लम्बी शृंखला वाले वसायुक्त अम्लों के सोडियम एवं पोटैशियम लवण होते हैं। साबनु का आयनिक भाग जल से जबकि कार्बन शृंखला तेल से पारस्परिक क्रिया करती है। साबनु के अणु के दोनों सिरों के विभिन्न गुणधुर्म होते हैं। जल में विलेय एक सिरेको जलरागी कहते हैं तथा हाइड्रोकार्बन में विलेय दुसरे सिरे को जल विरागी कहते हैं।</p> <p>• जबकि हाइड्रोकार्बन पॅच्छ (दुसरा छोर) जल के बाहर होती है। जल के अंदर इन अणुओं की एक विशेष व्यवस्था होती है, जिससे इसका हाइड्रोकार्बन सिरा जल के बाहर बना होता है। ऐसा अणुओं का बड़ा गुच्छ बनने के कारण होता है, जिसमें जलविरागी पूँछ गुच्छे के आन्तरिक हिस्से में होती है, जबकि उसका आयनिक सिरा गुच्छे की सतह पर होता है। इस संरचना को मिसेल कहते हैं। मिसेल के रूप में साबनु स्वच्छ करने में सक्षम होता है, क्योंकि तैलीय मैल मिसेल के केंद्र में एकत्र हो जाते हैं।</p> | <p>1</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>½</p> <p>1</p> <p>½</p> <p>1</p> <p>1+1</p> <p>1</p> <p>1+1</p> <p>5</p> |
|----|---|--|

आवश्यक है। यदि हमारे आहार में आयोडीन की कमी है तो यह सम्भावना है कि हम गॉयटर से ग्रसित हो सकते हैं।

(ii) वृद्धि हॉर्मोन की कमी बौनापन का कारण बनता है।

(iii) यौवनारंभ में नर में टेस्टोस्टेरोन का स्रावण होता है।

1

1

1

1

(b) • हॉर्मोन या रासायनिक यौगिक संभावित रूप से शरीर की सभी कोशिकाओं तक लगातार पहुँच सकते हैं।

• विविध हॉर्मोन वृद्धि, विकास तथा पर्यावरण के प्रति अनुक्रिया के समन्वय में सहायता करते हैं।

अथवा

(B) (a)

| ऐच्छिक क्रिया | अनैच्छिक क्रिया |
|----------------------------------|---|
| सोच शामिल है | इसमें सोचना शामिल नहीं है |
| अग्रमस्तिष्ठ द्वारा नियंत्रित | पश्चमस्तिष्ठ द्वारा नियंत्रित |
| यह हमारी इच्छा के अनुसार होता है | यह हमारी इच्छा के अनुसार नहीं होता है (अन्य कोई) |

(b) • प्रतिवर्ती क्रिया: पर्यावरण में किसी घटना की अनुक्रिया के फलस्वरूप अचानक हुई क्रिया।

• उद्दीपन → ग्राही → संवेदी तंत्रिका कोशिका → मेरुरज्जु/मस्तिष्ठ

1+1

1

2

5

कार्यकर पेशी/ग्रंथि ← प्रेरक तंत्रिका कोशिका

36

(A) (a) (i) प्रकाश कि चाल A और B में बराबर है जबकि C में प्रकाश कि चाल A और B से ज्यादा है।

(ii) प्रकाशिक घनत्व A और B का बराबर है जबकि C का प्रकाशिक घनत्व A और B से कम है।

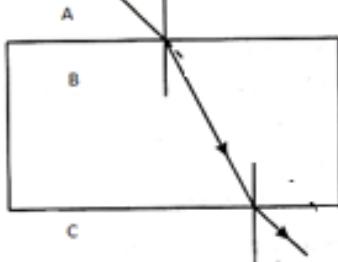
प्रकाश किरण A से B में सीधी जा रही है जबकि B से C जाते हुए अभिलम्ब से दूर जा रही है। अर्थात् प्रकाशिक घनत्व A और B का बराबर है जबकि C का प्रकाशिक घनत्व A और B से कम है।

(b) (i) तिर्यक्त आपतन

½ +½

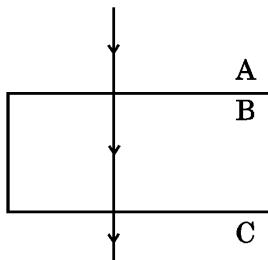
½ +½

1



1

(ii) अभिलम्बवत आपतन



1

अथवा

$$(B) (a) 2f = 40 \text{ cm}$$

$$\Rightarrow f = 20 \text{ cm}$$

कारण : जब किसी वस्तु को उत्तल लेंस के $2f$ (-40 cm) पर रखते हैं तो वास्तविक प्रतिबिम्ब उसके $2f$ ($+40 \text{ cm}$) पर ही बनता है

1

1

$$(b) m = \frac{v}{u} = \frac{+60 \text{ cm}}{-30 \text{ cm}} = -2$$

1

(c) प्रेक्षण संख्या 1- प्रतिबिम्ब आभासी और सीधा होगा

1

प्रेक्षण संख्या 2 - प्रतिबिम्ब वास्तविक और उलटा होगा

1

5

खण्ड ढ

37

(a) किसी चुम्बकीय क्षेत्र की दिशा वह मानी जाती है, जिसके अनुदिश दिक्सूची का उत्तर ध्रुव उस क्षेत्र के भीतर गमन करता है।

1

(b) जहाँ पर चुम्बकीय क्षेत्र की रेखाएँ अपेक्षाकृत अधिक निकट होती हैं वहाँ चुम्बकीय क्षेत्र अत्यधिक प्रबल होता है।

1

(c) (A)

(i) इसका यह अर्थ होगा कि प्रतिच्छेद बिंदु पर दिक्सूची को रखने पर उसकी सुई दो दिशाओं की ओर संकेत करेगी, जो संभव नहीं हो सकता।

1

(ii)



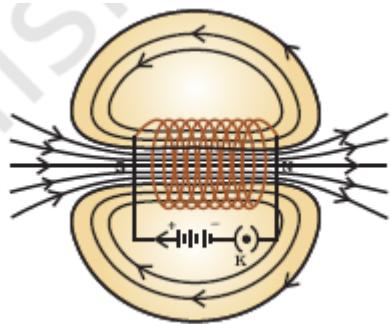
1

समदूरस्थ समानांतर रेखाएँ



अथवा

(B)•



- एकसमान चुंबकीय क्षेत्र

1

4

1

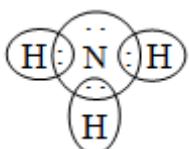
38

- (a) यह दो इलेक्ट्रान को धारण या साझेदारी करके निकटतम उत्कृष्ट गैस विन्यास को प्राप्त करेगा
- (b) एकल सहसंयोजी आबंधों की संख्या - 10
द्वि सहसंयोजी आबंधों की संख्या - 1
- (c) (A)

1

$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$

2



अथवा

(B) कार्बन को अपना अष्टक पूरा करने के लिए चार इलेक्ट्रान प्राप्त करने या खोने के आवश्यकता होती है जिसके लिए बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। /

2

(i) ये चार इलेक्ट्रॉन प्राप्त कर C^{4-} ऋणायन बना सकता है, लेकिन छः प्रोटॉन वाले नाभिक के लिए दस इलेक्ट्रॉन अर्थात् चार अतिरिक्त इलेक्ट्रॉन धारण करना मुश्किल हो सकता है।

(ii) ये चार इलेक्ट्रॉन खोकर C^{4+} धनायन बना सकता है, लेकिन चार इलेक्ट्रॉनों को खोकर छः प्रोटॉन वाले नाभिक में केवल दो इलेक्ट्रॉनों का कार्बन धनायन बनाने के लिए अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी।

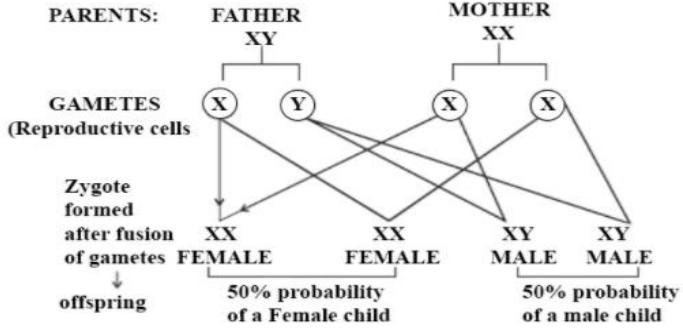
4

39

- (a) गुणसूत्र में ऐसे जीन होते हैं जो किसी जीव के लक्षणों को नियंत्रित करते हैं। / गुणसूत्र में माता-पिता से अगली पीढ़ी तक विशेषताओं की जानकारी के सूचना स्लोट डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल) अणु के रूप में होते हैं।
- (b) नर में एक गुणसूत्र सामान्य आकार का X होता है तथा दूसरा गुणसूत्र छोटा होता है जिसे Y गुणसूत्र कहते हैं।
- (c) (A)

1

1



2

अथवा

- (B) • कुछ सरीसृप में लिंग निर्धारण निषेचित अंडे (युग्मक) के ऊष्मायन ताप पर निर्भर करता है कि संतति नर होगी या मादा।
- घोघे जैसे कुछ प्राणी अपना लिंग बदल सकते हैं जो इस बात का संकेत है कि इनमें लिंग निर्धारण आनुवंशिक नहीं है।

1

1

4